

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 31, 1998/कार्तिक 9, 1920
No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 31, 1998/KARTIKA 9, 1920

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य
क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किये गये साधारण सांविधिक
नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम और सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general Character) issued by the Ministries of the
Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the
Administrations of Union Territories)

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)
(न्यायिक अनुभाग)
आदेश

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY
AFFAIRS
(Department of Legal Affairs)
(Judicial Section)
ORDER

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1998

New Delhi, the 17th September, 1998

सा.का.नि.208.—केन्द्रीय सरकार, सिविल प्रक्रिया संहिता,
1908 (1908 का 5) की पहली अनुसूची के आदेश 27
नियम 8 ख के खंड (क) के अनुसरण में, नीचे दी गई
अनुसूची के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट अधिकारी को उक्त अनुसूची
के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट न्यायालय में केन्द्रीय सरकार
का पदेन काउन्सेल/सरकारी अभिवक्ता नियुक्त करती है।

G.S.R. 208.—In pursuance of Clause (a) of rule
8B of Order XXVII of the First Schedule to the Code
of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908) the Central
Government hereby appoints the Officer specified in
column (2) of the Schedule below as ex-officio
Central Government Counsel/Government Pleader
in the Court specified in Column (1) of the said sche-
dule.

अनुसूची

SCHEDULE

न्यायालय	अधिकारी
1	2
दिल्ली उच्च न्यायालय	श्री बी०एल० निषाद, अपर विधि सलाहकार
	[फा० सं० 34(8) 98-न्या०] शिव प्रकाश, अपर सचिव

Court	Officer
1	2
Delhi High Court	Shri B.L. Nishad, Additional Legal Adviser
	[No. F.34(8)/98-Judl.] SHIV PRAKASH, Addl. Secy.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1998

सा.का.नि.-209-अखिल भारतीय/सेवाएं अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग) नियमावली, 1954 के नियम 4 के उप नियम (1) और (2) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार संबंधित राज्य सरकारों के परामर्श से भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग पदों की संख्या का नियतन) विनियमावली, 1955 में और आगे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग पदों की संख्या का नियतन) संशोधन विनियमावली पांचवां संशोधन 1998 है।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा (संवर्ग पदों की संख्या का नियतन) विनियमावली, 1955 की अनुसूची में, "बिहार" शीर्षक के अधीन,

(1) निम्नलिखित प्रविष्टि के लिये अर्थात् :—

"1. राज्य सरकार के अधीन वरिष्ठ पद 212"
निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी,
अर्थात् :—

"1. राज्य सरकार के अधीन वरिष्ठ पद, 213"

(2) मद संख्या 1 के अन्तर्गत, निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

"विकास आयुक्त 1"

(3) मद संख्या 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 तथा इससे संबंधित प्रविष्टियों के लिय निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

2. केन्द्रीय प्रतिनियुक्त रिजर्व उपर्युक्त मद संख्या 1 के 40% की दर से 85

3. राज्य प्रतिनियुक्त रिजर्व उपर्युक्त मद संख्या 1 के 25% की दर से 53

4. प्रशिक्षण रिजर्व उपर्युक्त मद संख्या 1 के 3.5% की दर से 07

5. भारतीय प्रशासनिक सेवा (भर्ती) नियमावली, 1954 के नियम 8 के अनुसार पदोन्नति तथा चयन द्वारा भरे जाने वाले पद उपर्युक्त मद संख्या 1, 2, 3, तथा 4 के 33- % की दर से 119

6. छुट्टी रिजर्व तथा कनिष्ठ पद उपर्युक्त मद संख्या 1 के 16.5% की दर से 35

7. सीधी भर्ती द्वारा भरे जाने वाले पद
[(1 + 2 + 3 + 4 + 6) - 5]

274

सीधी भर्ती के पद 274
पदोन्नति पद 119

कुल प्राधिकृत पद संख्या "393"

[संख्या 11031/5/98-अ.भा.से. II(क)]

मधुमिता डी. मित्रा, डैस्क अधिकारी

टिप्पणी 1 :—इस अधिसूचना के जारी होने से पूर्व बिहार संवर्ग की कुल प्राधिकृत पद संख्या 392 थी।

टिप्पणी 2 :—मुख्य विनियमों को दिनांक 22-10-55 की एस. आर.ओ. सं. 3350 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया था। इसके बाद निम्नलिखित सा.का.नि. सं. तथा तारीख द्वारा संशोधित किया गया है :—

बिहार	3059	22-12-56
	481	30-4-60
	1147	14-8-65
	349	16-3-67
	375ई	26-8-74
	60ई	31-1-75
	649ई	27-11-79
	106	2-2-85
	1007	31-12-88
	393	30-6-90
	342ई	29-3-94
	319ई	31-3-95
	739ई	31-12-97

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
& PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 20th October, 1998

G.S.R. 209.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951) and in pursuance of sub-rule (1) and (2) of Rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Bihar, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely :—

1. (1) These regulations shall be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Fifth Amendment Regulations, 1998.

(2) They shall come into force on 1st January, 1998.

2. In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, under the heading "Bihar".

(i) for the entry, namely :—

“1. Senior posts under the State Government 212”
the following shall be substituted, namely :—

“1. Senior posts under the State Government 213”
(ii) under Item No. 1, the following entry shall be inserted,

namely :—

“Development Commissioner 1”

(iii) for item numbers 2, 3, 4, 5, 6, and 7 and entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“2. Central Deputation Reserve @ 40 % of 1 above	85
3. State Deputation Reserve @ 25 % of Item 1 above	53
4. Training Reserve @ 3.5 % of Item 1 above	7
5. Posts to be filled by promotion and selection under Rule 8 of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules, 1954, not exceeding 33 1/3 % of Items 1, 2, 3 and 4 above	119
6. Leave Reserve and Junior Posts Reserve @ 16.5 % of Item 1 above	35
7. Posts to be filled up by Direct Recruitment (Items 1+2+3+4+6—5)	274
Direct Recruitment Posts	274
Promotion Posts	119
Total Authorised Strength	393”

[No. 11031/5/98-AIS II-A]

MADHUMITA D. MITRA, Desk Officer

Note 1 :—Prior to the issue of this Notification, the total authorised strength of the Bihar (IAS) Cadre was 392.

Note 2 :—The Principal Regulations were published in the Gazette of India vide SRO No. 3350 dated 22-10-1955. Subsequently they were amended vide the following GSR Numbers and dates for the Bihar cadre of the India Administrative Service :—

S. No.	GSR Numbers	Date
1.	3059	22-12-56
2.	481	30-4-60
3.	1147	14-8-65
4.	349	16-3-67
5.	375E	26-8-74
6.	60E	31-1-75
7.	649E	27-11-79
8.	106	2-2-85
9.	1007	31-12-88
10.	393	30-6-90
11.	342E	29-3-94
12.	319E	31-3-95
13.	739E	31-12-97

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1998

सा.का.नि. 210—भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियमावली, 1954 के नियम 11 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) के खण्ड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार बिहार सरकार के परामर्श से भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियमावली, 1954,

में और आगे संशोधन करने के लिये, एतद्वारा निम्न-लिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) दृढा संशोधन नियमावली, 1998 है।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियमावली 1954 में—

(क) अनुसूची-III-क में—राज्य सरकारों के अधीन भारतीय प्रशासनिक सेवा में समय वेतनमान से उच्चतर वेतन वाले पदों की तालिका में प्रथम कालम में आने वाली “बिहार” प्रविष्टि के लिये तथा द्वितीय एवं तृतीय कालम में तदनुरूपी प्रविष्टियों के लिये, निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जायेंगी, अर्थात् :—

संवर्ग का नाम	पद का नाम	वेतन तथा वेतनमान
“बिहार”	विकास आयुक्त	रु. 26000 -(नियत)”

[सं. 11031/5/98-अ.भा.से.-II(ख)]

मधुमिता डी. मित्रा, डेस्क अधिकारी

टिप्पणी 1 :—मुख्य नियम राजपत्र में सा.का.नि.सं. 158 से दिनांक 14-09-1954 को प्रकाशित हुए थे।

टिप्पणी 2 :—बिहार के संबंध में प्रधान नियमों की अनुसूची-III में निम्नलिखित तारीख तथा सा.का.नि.सं. से संशोधित किया गया है :—

सा.का.नि.सं.	तारीख
376ई	28-8-74
61 ई	31-7-75
1	3-1-76
650	27-11-79
107	2-2-85
1008	31-12-88
394	30-6-90
343ई	29-3-94

New Delhi, the 20th October, 1998

G.S.R. 210.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951) read with Rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government in consultation with the Government of Bihar, hereby makes the following rules further to amend the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These rules shall be called the Indian Administrative Service (Pay) Sixth Amendment Rules, 1998.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, in "Schedule III-A-Posts carrying pay above the time scale in the Indian Administrative Service under the State Governments", in the Table, for the entry 'Bihar' occurring in the first column and the corresponding entries in the second and third columns, the following shall be inserted, namely :—

"Development Commissioner Rs. 26000|—"

[No. 11031|5'98-AIS(II)-B]

MADHUMITA D. MITRA, Desk Officer

Note :—The Principal rules were published vide gazette No. 158 dated 14-9-1954. Schedule III of the Principal rules in respect of Bihar was amended vide GSR Nos. 376E, 61E, 1, 650, 107, 1008, 394 and 343E and dated 28-8-74, 31-1-75, 3-1-76, 27-11-79, 2-2-85, 31-12-88, 30.6.90 and 29.3.94 respectively.

ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1998

सा. का. नि. 211:—सिवैया, मैकरोनी और मोटी सेबई श्रेणीकरण और चिह्नान्कन नियम, 1998 का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नान्कन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

ऐसा कोई सुझाव या आक्षेप जो उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, विपणन और निरीक्षण निदेशालय, प्रधान कार्यालय, केन्द्रीय सरकार के कार्यालय बिल्डिंग, नेबरहुड—4 फरीदाबाद (हरियाणा) 121001 को भेजा जा सकता है जो उसे केन्द्रीय सरकार के विचार के लिए भेजेगा।

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सिवैया, मैकरोनी और मोटी सेबई श्रेणीकरण और चिह्नान्कन नियम, 1998 है।

(2) ये राजपत्र में उनके अंतिम प्रकाशन की तारीख को लागू होंगे।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :

(क) "कृषि विपणन सलाहकार" से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;

(ख) "प्राधिकृत पैकर" से अभिप्रेत है ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय, जिसे इन नियमों के उपबंधों के अनुसार सिवैया, मैकरोनी और मोटी सेबई का श्रेणीकरण और चिह्नान्कन करने लिए प्राधिकृत प्रमाणपत्र अनुदत्त किया गया है;

(ग) "प्राधिकार प्रमाणपत्र" से साधारण श्रेणीकरण और चिह्नान्कन नियम, 1988 के अधीन जारी किया गया प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;

(घ) "सिवैया, मैकरोनी और मोटी सेबई" से जैसे मूंगफली, आटा, टैपिका आटा सोया आटा, दुग्ध पाउडर, मसाले, विटामिनो, खनिजों, खाद्य केसीन, खाद्य तिश्हन आटा, ग्लूटेन, वनस्पति या वनस्पति उत्पादों फलो या फल उत्पादों के तत्वों का किसी आकार या रूप में मिलाकर या बिना मिलाए सूची या मैदा से अभिप्राप्त उत्पाद अभिप्रेत है। यह उत्पाद ऐसी कच्ची सामग्री और ऐसी क्वालिटी के तत्वों से प्राप्त की जाएगी जो खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 और खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम 1955 की आज्ञापक अपेक्षाओं को पूरा करती है;

(ङ) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अभिधान : सिवैया, मैकरोनी और मोटी सेबई को क्वालिटी उपदर्शित करने के लिए वे श्रेणी अभिधान होंगे जो अनुसूची 2 के स्तम्भ 1 में दिए गए हैं।

4. क्वालिटी की परिभाषा : ऐसी श्रेणी अभिधान द्वारा उपदर्शित क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 2 के स्तम्भ 2 से 9 तक में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने दी गई है।

5. श्रेणी अभिधान चिन्ह : श्रेणी अभिधान चिन्हों में निम्नलिखित होगा :

(i) एक लेबल जिसमें वस्तु का नाम या उत्पाद का व्यापार वर्णन श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और उस पर अनुसूची-1 के भाग 1 में यथा उप-वर्णित डिजाइन के मद्देन के साथ एक डिजाइन होगा जिसमें AGMARK शब्द के साथ भारत के मानचित्र को

रूप रेखा और उदय होते हुए सूर्य की आकृति होगी, या

- (ii) एगमार्क प्रतिकृति जिसमें प्राधिकार प्रमाण-पत्र का संख्याक "एगमार्क" AGMARK शब्द, वस्तु का नाम या उत्पाद का व्यापार वर्णन और श्रेणी अभिधान होगा जो अनुसूची-1 के भाग 2 में यथा उपवर्णित डिजाइन के सदृश होगा;

परन्तु एगमार्क लेबलों के बदले एगमार्क प्रतिकृति का उपयोग केवल ऐसे प्राधिकृत पैकरो के लिए अनुज्ञात होगा जिन्हें कृषि विपणन सलाहकार या उस संबंध में प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा आवश्यक अनुज्ञा दी गई है और ऐसा साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1988 के अधीन रहते हुए होगा।

6 पैक करने की रीति . (1) सिवेया, मैकरोनी और मोटी सिवई बहु परत या एक परत पोलिथिन/पोलिप्रोपलीन या धात्विक या कागज के बने लचोले तापसुनम्य आधानों में पैक किए जाएंगे, जो ऐसी खाद्य श्रेणी की सामग्री को परतों से स्तरित होंगे जो खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के उपबंधों के अधीन अनुज्ञात है ;

(2) लचीले तापसुनम्य आधान को नाइट्रोजन फ्लशिंग के सहित या उसके बिना तापसुनम्यतापूर्वक सुरक्षित रूप से तापीय सील बंद किया जाएगा ;

(3) पैकिंग सामग्री इतनी मजबूत होगी कि अन्तर्वस्तु के वजन को, उसके परिवहन प्रभाव और उसके उपभोक्ता तक पहुंचने तक उठाने रखने में बनाए रख सके तथा बहन कर सके।

(4) सीलबंद लचीले पाउचों को या तो AGMARK एगमार्क प्रतिकृति सभी अन्य अपेक्षित सूचना के साथ मुद्रित किया जा सकेगा या उन्हें ऐसे कार्टनों में जिन पर एगमार्क प्रतिकृति और अन्य सूचना मुद्रित है, रखा जा सकेगा। कार्टनों के दोनों खुले सिरों में से एक को एगमार्क के लेबल द्वारा या दोनों खुले सिरों को पैकर के निजी व्यापार चिन्ह से युक्त स्टिकरों द्वारा सुरक्षित रूप में सीलबंद किया जाएगा;

(5) आधान स्वच्छ मजबूत और नए होंगे। ये पूर्णतः या अंशतः किसी ऐसे विषैले या हानिकारक पदार्थों से सरचित नहीं होंगे जो अन्तर्वस्तु को स्वास्थ्य के लिए अहितकर बनाते हैं ;

(6) आधान कोट ग्रसन, कवक, सद्दूषण या किसी घृणाजनक और अवांछनीय गंध से भी मुक्त होंगे;

(7) पैकिंग का आकार 50 ग्राम, 100 ग्राम, 200 ग्राम, 400 ग्राम, 500 ग्राम, 1 कि. ग्रा., 2 कि. ग्राम, 5 कि. ग्राम या उसके गुणन में होगा।

(8) एगमार्क प्रतिकृति वाले छोटे पैकों को किसी पूर्णतः या पोलिथिन स्तरित मजबूत कार्ड बोर्ड बाक्स में रखा जाए

और सुरक्षित रूप से बंद और सील बंद किया जाए। श्रेणी अभिधान, कार्ड बोर्ड बाक्स पर सुरक्षित रूप से चिपकाया जाएगा। कार्ड बोर्ड बाक्स के अन्दर पैक किए गए पैकेजों की संख्या और आकारों की विशिष्टियों का भी अन्य अपेक्षित सूचना के साथ उस पर उल्लेख किया जाएगा।

7. चिह्नांकन की रीति : (1) श्रेणी अभिधान चिन्ह साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1988 के नियम 11 के अनुसार कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से प्रत्येक पैकेज/आधान पर सुरक्षित रूप से चिपकाया जाएगा या स्पष्ट रूप से और अमिट रूप से मुद्रित किया जाएगा;

(2) श्रेणी अभिधान के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्टियां प्रत्येक पैकेज/आधान पर स्पष्ट और अमिट रूप से चिह्नित की जाएंगी, अर्थात् :—

- (क) पैकर का नाम और पता,
- (ख) पैकिंग का स्थान,
- (ग) पैकिंग की तारीख, मास और वर्ष
- (घ) समाप्ति की तारीख, (जहां लागू हो)
- (ङ) लाट/बैच संख्यांक,
- (च) शुद्ध भार;
- (छ) अधिकतम फुटकर कीमत (सभी करों सहित या उसके बिना)
- (ज) भार के आधार पर सम्मिश्रण के अवरोही क्रम में उत्पाद में उपयोग में लाए गए तत्वों के नाम,
- (झ) यदि पीसने से पहले तत्व तेल में तले गए थे तो तलने के लिए उपयोग में लाए गए खाद्य तेल का नाम।

(3) चिह्नांकन के लिए उपयोग में लाई गई स्याही ऐसी क्वालिटी की होगी जो वस्तु की संप्रतिष्ठा नहीं करती है।

(4) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी के पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1988 के नियम 11 के अनुसार श्रेणीकृत पैकेजों/आधान पर अपना प्राइवेट व्यापार चिन्ह या व्यापार ब्रांड लगा सकेगा, परन्तु यह तब जब कि प्राइवेट व्यापार चिन्ह या व्यापार ब्रांड इन नियमों के अनुसार श्रेणीकृत पैकेज/आधान पर लगाए गए श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपदर्शित से भिन्न उत्पाद को क्वालिटी या श्रेणी उपदर्शित नहीं करता है।

8. प्राधिकार प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए विशेष शर्तें :

साधारण श्रेणीकरण चिह्नांकन नियम, 1988 के नियम 3 के उपनियम (8) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त सिवैया, मैकरोनी और मोती सिवई के श्रेणीकरण और चिह्नांकन के

लिए प्राधिकार प्रमाण पत्र की मंजूरी के लिए विशेष शर्तें निम्नलिखित होंगी, अर्थात्—

- (1) प्राधिकृत पैकर यथा लागू सिवैयां, मैकरोनी और मोटी सेवई में उपयोग में लाए गए तत्वों के साफ करने, पीसने, छानने और मिलाने के लिए अपनी इकाई रखेगा या ऐसी इकाइयों में पहुंच रखेगा।
- (2) या तो सभी रसायनों और उपस्करों से पूर्णतः सुसज्जित प्रयोगशाला प्राधिकृत पैकर द्वारा स्थापित की जाएगी या वह कच्ची सामग्री के परीक्षण के लिए और उत्पाद के श्रेणीकरण और चिन्हांकन के लिए ऐसी किसी प्रयोगशाला में पहुंच रखेगा।
- (3) प्राधिकृत पैकर सिवैयां, मैकरोनी और मोटी सिवई के श्रेणीकरण और चिन्हांकन में स्वास्थ्य प्रद और स्वच्छता की निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुपालन सुनिश्चित करेगा —
 - (i) साधारण स्वास्थ्यकर परिस्थितियां —
 - (क) प्रसंस्करण और पैकिंग के लिए परिसर स्वच्छ, पर्याप्त रूप से प्रकाश वाले अच्छे रोशन दान वाले होंगे।
 - (ख) आस-पास का क्षेत्र या वातावरण आपत्तिजनक दुर्गन्ध, धुआं, धूल या वायु से उत्पन्न विकृतिजन्य संदूषणों से मुक्त होगा।
 - (ग) बिल्डिंग स्थायी संरचना की होगी जिसकी दीवारें अच्छी सीमेंट-युक्त या टाईल वाली होंगी और जिसका फर्श आसानी से धुलाई योग्य बिना क्रॉसिसेस होंगी।
 - (घ) दरवाजों और खिड़कियों में मक्खी और कीटफूस, तार की जाली लगी होगी और डोर क्लोजर लगे दरवाजों को वरीयता दी जा सकेगी।
 - (ङ) जहां भी प्रसंस्करण में पानी का उपयोग किया जाता है यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वह शुद्ध और पेय है तथा किसी विकृतिजन्य सूक्ष्म जीवों से मुक्त है।
 - (च) परिसर में अग्रहीत पानी के वहाब के लिए उचित जल दिकास की व्यवस्था होगी जो पूर्णतः ढकी हुई होगी और प्रायः साफ होती रहेगी। नाली से कोई खराब गंध नहीं आएगी। नाली का निकास दूर मल पाइपों सिस्टम में मिला दिया जाएगा।
- (ii) उपस्कर और बर्तन —
 - (क) सभी उपस्कर और बर्तन स्टेनलेस-स्टील या खाद्य संपर्क उपयोगों के लिए उपयुक्त संक्षारक प्रतिरोधक सामग्री के बने होंगे; और

(ख) वे जग या संक्षारक पदार्थों या किसी अन्य धात्विक और आविषालु संदूषणों से मुक्त होने चाहिए।

9. प्राधिकार प्रमाण-पत्र का निलंबन या रद्दकरण—
साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 7 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त प्राधिकार प्रमाण-पत्र का निलंबित या रद्द कर दिया जाएगा यदि कोई उसका धारक निम्नलिखित शर्तों का पालन करने में असफल रहता है —

(i) परिसर और उपस्कर-समय समय पर रोगाणु नाशित होने चाहिए ताकि स्वास्थ्यप्रद और स्वच्छता संबंधी परिस्थितियों को उच्च दशा में रखा जा सके जिसका स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा कालिकत् निरीक्षण कराया जाएगा और एक प्रमाण-पत्र अभिप्राप्त किया जा सकेगा;

(ii) ग्रिन्डर आदि कालिकत : साफ किए जाने चाहिए;

(iii) कच्ची सामग्री स्वच्छ, धूल और वाह्य पदार्थों से युक्त होगी और उसके विनिर्दिष्ट मानकों के अनुरूप होगी ये कीटों और कृतकों से सुरक्षित और फफूंदी और अन्य संदूषणों से मुक्त स्वास्थ्यप्रद स्थान में भंडारित की जाएगी;

(iv) कोई भी टॉक्सिक या आपत्तिजनक और अनुज्ञय से भिन्न कोई सामग्री प्राधिकृत श्रेणीकरण परिसर में भंडारित न की जाएगी;

(v) रेजिन-लेपित बर्तनों की दशा में पुनर्लेपन प्रत्येक तीन वर्षों के पश्चात किया जाएगा और पैकर को इस आशय का एक प्रमाण-पत्र देना पड़ेगा;

(vi) उत्पाद प्रसंस्करण में प्रयुक्त पानी की रासायनिक और जैविक विशुद्धियों के लिए सार्वजनिक/स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा जांच कराई जाएगी और इस आशय का एक प्रमाण-पत्र अभिप्राप्त किया जाएगा कि पानी मानव उपभोग के उपयुक्त है;

(vii) उत्पाद के प्रसंस्करण और पैकिंग में लगे हुए कार्मिक के स्वास्थ्य की जांच प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी द्वारा कालिकत: कराई जानी चाहिए और इस आशय का एक प्रमाण-पत्र मागने पर पेश करना होगा;

(viii) प्राधिकृत पैकर सिवैयां, मैकरोनी और मोटी सेवई के श्रेणीकरण और चिन्हांकन के निष्पादन के लिए अनुमोदित रसायनज्ञ को सभी आवश्यक सुविधाएं और सहायता उपलब्ध कराएगा;

(ix) प्राधिकृत पैकर, उत्पाद प्रसंस्करण में प्रयुक्त कच्ची सामग्री और उनके विश्लेषण का उचित अभिलेख रखेगा। वह साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 3(8) के अनुसार कृषि विषयन सलाहकार द्वारा जारी सुसंगत श्रेणीकरण और चिन्हांकन अनदेशों में विहित प्रोफार्म में विषयन और निरीक्षण निदेशालय को कालिकत: विवरणी भी भेजेगा।

अनुसूची 1

[नियम 5(i) देखिए]

श्रेणी अभिधान चिह्न

एगमार्क लेबल का डिजाइन



भाग-2

अनुसूची-1

[नियम 5(ii) देखिए]

श्रेणी अभिधान चिह्न

एगमार्क प्रतिकृति का डिजाइन



वस्तु का नाम

श्रेणी

अनुसूची-2

(नियम 3 और 4 देखिए)

सिवैयां, मैकरोनी और मोटी सेवई के एगमार्क श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान			क्वालिटी की परिभाषा			
विशेष अपेक्षाएं						
द्रव्यमान के आधार पर आर्द्रता प्रतिशत	द्रव्यमान के अनुसार शुष्क आधार पर कुल भस्म प्रतिशत	द्रव्यमान के अनुसार अम्ल अज्वलनशील भस्म शुष्क आधार पर प्रतिशत	द्रव्यमान के अनुसार नाइट्रोजन शुष्क आधार पर प्रतिशत	द्रव्यमान के आधार पर पाक परीक्षण दलिया में कुल ठोस प्रतिशत	अम्लता मुक्त (उत्पाद का प्रति 100 ग्राम 1 एन का एन ए ओ एच विलेय)	
(अधिकतम म)	(अधिकतम म)	(अधिकतम)	(न्यूनतम)	(अधिकतम)		
1	2	3	4	5	6	7
श्रेणी-1	10	0.7	0.05	0.80	8	3
श्रेणी-2	12	1.0	0.10	1.70	8	4
वर्णन			साधारण अपेक्षाएं			
8			9			
<p>सिवैया, मै करोनी और मोटी सेवई से जैसे मूगफली आटा, टेपिका आटा, सोया आटा, दुग्ध पाउडर, मसाले, विटामिनो, खनिजों, खाद्य केसीन, खाद्य तिलहन आटा, मूटेन, वनस्पति या वनस्पति उत्पादो, फल और फल उत्पादो के तत्वो का किसी आकार या रूप में सूजी या मैदा मे मिलाकर या बिना मिलाए सूजी या मैदा मे अभिप्राप्त उत्पाद अभिप्रेत है। यह मिलाए गए रंग, कीट, डिम्बक और अशुद्धियों या किसी अन्य बाह्य पदार्थ से मुक्त होगा। मैकरोनी, मोटी सेवई और सिवैया का रूप और विस्तार नीचे दिए गए अनुसार होना चाहिए।</p>			<p>(1) मैकरोनी, मोटी सेवई और सिवैया अच्छे लाक्षणिक रंगों, मुरुचिक और गंधवाली होगी और विकृत गंधिता, सड़ना, तिक्तता या किसी अन्य अवांछित स्वाद या गंध से मुक्त होगी। यह अशुद्धियों किसी बाह्य पदार्थ, दरारों, फलों, फफूदी, कीट ग्रसन या अन्य खराबी से भी मुक्त होगी। सामग्री अपना स्वरूप बनाए रखेगी और बिखराव के कोई चिह्न दर्शित नहीं करेगी और जब अधिक उबलते हुए पानी में डाल दी जाती है तो काफी फूल जाती है। जब 10 मिनट के लिए उबालो जाती है।</p>			
<p>1. मैकरोनी सामग्री दो किस्म की हो सकेगी, अर्थात् लम्बा सामान या कर्तित सामान .</p>			<p>सामग्री छूने में सिन्ध होगी और उसमे कोई मिलाए गए रंजित पदार्थ नहीं होंगे।</p>			
<p>(क) लम्बा सामान नलिकाकार राइस, भिन्ध या नालीदार के रूप में होने चाहिए। इनके बाहरी व्यास की परिमाण 3 और 5 मि.मी. और जिसकी भित्ती की मुटाई लगभग 1 मि.मी. होनी चाहिए।</p>			<p>2. समृद्धि क्रेता और आपूर्तिकर्ता के बीच करार के अधीन रहते हुए सामग्री की निम्नलिखित में से एक या अधिक से प्रबलीकृत किया जा सकेगा --</p>			

(8)

(ख) कठित सामान बहिर्वेधन द्वारा अभिप्राप्त किया जाना चाहिए और कोहनी, दूध शैल्स अक्षरों, अंकों, सितारों, पहियों अंगुठियों, चावल तरबूज के बीजों के रूप में जैसा नेता और आपूर्ति कर्ता के बीच सहमति अनुसार हो सकेगा।

2. मोटी सेंवई :

यह सामग्री 1 मि.मी. के ठोस राइस के रूप में होनी चाहिए।

3. सिर्वियां :

यह सामग्री 0.5 और 1.25 मि.मी. व्यास के ठोस राइस के रूप में होनी चाहिए।

(9)

(क) खनिज-कैल्शियम, फास्फोरस और लोहा।

(ख) विटामिन-ए, बी कम्प्लेक्स और डी

3 उत्पाद ऐसी कच्ची सामग्री और ऐसी क्वालिटी के तत्वों से अभि- प्राप्त किया जाएगा जो खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 और खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 को आज्ञापक अपक्षाओं को पूरा करता है।

4. एप्लाटाक्सिन सहित माइक्रोटोक्सिन प्रति किलो ग्राम 30 माइ- क्रोग्राम से अधिक नहीं होनी चाहिए।

5. उत्पाद, कीट नाशी अवशेष की बाबत समय-समय पर यथा संशोधित खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 और खाद्य अप- मिश्रण निवारण नियम, 1955 के नियम 65 का अनुपालन करेगा।

6. उत्पाद, विषैले धातुओं की बाबत समय-समय पर यथा संशोधित खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 और खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के नियम 57 का अनुपालन करेगा।

[फा.सं. 18011/7/97-एम. II]

बी.एन. मिश्र, आर्थिक सलाहकार (कृषि विपणन)

MINISTRY OF RURAL AREAS & EMPLOYMENT

New Delhi, the 25th September, 1998

G.S.R. 211.—The following draft the Vermicelli, Macaroni and Spaghetti, Grading and Marking Rules, 1998, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) is hereby published as required by the said section for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public;

Any suggestion or objection which may be received from any person, with respect to the said draft rules, may be forwarded within the period so specified to the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, Directorate of Marketing and Inspection, Head Office, Central Government Offices Building Neighbourhood-4, Faridabad, (Haryana) 121001, who shall in turn forward the same to the Central Government for consideration

Draft Rules

1 Short title, application and commencement.—

(1) These rules may be called the Vermicelli, Macaroni and Spaghetti Grading and Marking Rules, 1998.

2749 GI/98—2

(2) They shall come into force from the date of their final publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) “Agricultural Marketing Adviser” means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(b) “Authorised packer” means a person or a body of persons who has been granted certificate of authorisation to grade and mark vermicelli, Macaroni and Spaghetti in accordance with the provisions of these rules;

(c) “Certificate of authorisation” means a certificate issued under the General Grading and Marking Rules, 1988.

(d) “Vesmicelli, Macaroni and Spaghetti” means the products obtained from Sui or Maïda with or without the addition of ingredient like adible groundnut flour, tapioca flour, soya flour, milk powder, spices, vitamins, minerals, edible casein, edible oilseeds flour, gluten, vegetable or vegetable products, fruits or fruit products in any shape and form. The product shall be derived from the raw materials and ingredients quality of which meets the mandatory requirements of prevention of Food Adulteration Act, 1954 and Food Adulteration Rules, 1955.

- (e) "Schedule" means a schedule appended to these rules.

3. Grade designation.—The grade designations to indicate the quality of Vermicelli, Macaroni and Spaghetti shall be as set out in Column 1 of Schedule-II.

4. Definition of quality.—The quality indicated by such grade designation shall be as set out against each grade designation in columns 2 to 9 of Schedule-II.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of.—

- (i) A label specifying name of the commodity or trade description of the product, grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and figure of the rising sun resembling the one as set out in Part-I of Schedule I, or
- (ii) "AGMARK Replica" consisting of a design incorporating the number of certificate of authorisation, the word "AGMARK", name of the commodity or trade description of the product and grade designation resembling the one as set out in part-II of Schedule-I.

Provided that the use of AGMARK Replica in lieu of AGMARK labels shall be allowed only by such authorised packer who has been granted necessary permission by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this regard and subject to the conditions as prescribed under the General Grading and Marking Rules, 1988.

6. Method of packing.—(1) Vermicelli, Macaroni and Spaghetti shall be packed in flexible thermoplastic containers made up of food grade films of multi-layer or mono-layer polythene/polypropylene or metallic paper laminated materials as permitted under the provisions of Prevention of Food Adulteration Rules, 1955;

(2) The flexible container of thermoplastic shall be securely heat sealed thermatically with or without nitrogen flushing;

(3) The packing material shall be strong enough to withstand the weight of the contents, transit impact and handling, till it reaches the consumer;

(4) The sealed flexible pouches may either be printed with AGMARK Replica along with all other required information or be placed in cartons bearing the AGMARK Replica and other information printed thereon. The two openings of the cartons shall be securely sealed one of the opening either by AGMARK label or both the opening by stickers containing the packers private trade mark;

(5) The containers shall be clean sound and new. These shall not be composed wholly or partly of any poisonous or deleterious substances which renders the contents injurious to health;

(6) The containers shall also be free from insect infestation, fungus contamination or any obnoxious and undesirable smell.

(7) The size of the packing shall be 50 gm, 100 gm, 200 gm, 400 gm, 500 gm, 1 kg, 2 kgs, 5 kgs, or multiples thereof;

(8) Small packs bearing the AGMARK Replica may be placed in a paper or polythene lined strong card board box and be securely closed and sealed. The grade designation mark shall be securely affixed to the card board box. The particulars of number and sizes or packages, packed inside Card Board Box shall also be mentioned thereon along with other required information.

7. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or clearly and indelibly printed on each package/container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this behalf in accordance with rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988;

(2) In addition to the grade designation mark, the following particulars shall be clearly and indelibly marked on each package/container, namely:—

- (a) Name and address of the packer,
- (b) Place of packing,
- (c) Date of packing in month and year,
- (d) Date of Expiry (wherever applicable),
- (e) Lot/batch number,
- (f) Net weight,
- (g) Maximum retail price (with or without all taxes)
- (h) Names of ingredients used in the product in descending order of composition by weight;
- (i) Name of edible oil used for frying, if the ingredient were fried in oil before grading.

(3) The ink used for marking shall be of such quality which does not contaminate the commodity;

(4) An authorised packer may, after obtaining prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or any officer authorised by him in this behalf, in accordance with rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988, affix his private trade mark or trade brand on the graded packages/container, provided that the private trade mark or trade brand does not indicate quality or grade of the product other than indicated by the grade designation mark affixed to the graded package/container in accordance with these rules.

8. Special conditions for grant of certificate of authorisation.—In addition to the general conditions specified in sub-rule (8) of rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1988, the following shall be the special conditions for grant of certificate of authorisation for grading and marking of Vermicelli, Macaroni and Spaghetti, namely :—

- (1) The authorised packer shall have his own units or have access to units for cleaning, grinding, sieving and mixing of the ingredients used, as applicable, in a Vermicelli, Macaroni and Spaghetti.
- (2) Either fully equipped laboratory with all necessary chemicals and apparatus shall be set up by the authorised packer or he should have an access to such a laboratory for testing the raw materials and for grading and marking of the product.
- (3) The authorised packer shall ensure the compliance of the following requirements of hygiene and sanitation in grading and marking of the Vermicelli, Macaroni and Spaghetti;
 - (i) General hygienic conditions :—
 - (a) The premises for processing and packing shall be clean, adequately lighted well ventilated;
 - (b) The surrounding area of environment shall be free from objectionable odours, smoke, dust or air borne pathological contaminations;
 - (c) The building shall be of a permanent structure with well cemented or tiled walls and easily washable floors without any crevices;
 - (d) The doors and windows shall be fitted with fly and insect proof wire mesh and the doors may preferably be fitted with automatic door closers;
 - (e) Wherever water is used in processing, it shall be ensured that it is pure and potable and free from any pathological micro organisms;
 - (f) The premises shall have proper drainage system for flow of refuse water and the same must be fully covered and be cleaned often. No foul smell shall emanate from the drains. The drain outlets shall be lead to distant sewer pipes/system.
 - (ii) Equipments and utensils :—
 - (a) All equipments and utensils shall be made of stainless steel or corrosive resistant material suitable for food contact applications; and
 - (b) They should be free from rust or corrosive substances or any other metallic and toxic contaminations.

9. Suspension or cancellation of Certificate of Authorisation.—In addition to the conditions specified in rule 7 of the General Grading and Marking Rules, 1988, the Certificate Authorisations shall be suspended or cancelled if a holder of the same fails to comply with the following conditions :—

- (i) The premises and the equipments should be often disinfected so as to maintain high order of hygienic and sanitary conditions which may be got inspected periodically by the local Health Authorities and certificate be obtained;
- (ii) The grinders etc. must be cleaned periodically;
- (iii) The raw material shall be clean, free from dirt and foreign substances and shall conform to the specified standards thereof. These shall be stored in a hygienic place safeguarded from insects and rodents and free from dampness and other contaminations;
- (iv) No toxic or objectionable and any material other than the permissible shall be stored in the authorised premises;
- (v) In the case of resin-coated utensils, recoating will be done after every three years and the packer shall have to furnish a certificate to this effect;
- (vi) The water used in processing product shall be got examined periodically by the public local health authorities for chemical and biological impurities and a certificate obtained to the effect that the water is fit for human consumption;
- (vii) The personnel engaged in processing and packing of the product should be got medically checked up periodically by the authorised medical officer and a certificate to that effect shall have to be produced on demand;
- (viii) The authorised packer shall provide all necessary facilities and assistance to the approved chemist for carrying out the grading and marking of Vermicelli, Macaroni and Spaghetti;
- (ix) The authorised packer shall maintain proper record of raw materials used in processing the product and their analysis. He shall also submit the periodical returns to the Directorate of Marketing and Inspection in the proforma prescribed in the relevant grading and marking instructions issued by the Agricultural Marketing Adviser as per rule 3 (8) of the General Grading and Marking Rules, 1988.

Part-I

Part II

SCHEDULE-I

[See Rule 5 (i)]

Grade designation mark
Design on the Agmark label



SCHEDULE-I

[See Rule 5 (ii)]

Grade designation mark
Design of Agmark Replica



NAME OF COMMODITY.....

GRADE.....

SCHEDULE-II

(See Rule 3 and 4)

Agmark grade designation and definition of quality of Vermicelli, Macaroni and Spaghetti.

Grade designation

Definition of quality

	Special requirements					
	Moisture % by mass (Maximum)	Total Ash on dry basis % by mass (Maximum)	Acid insoluble ash on dry basis % by mass (Maximum)	Nitrogen on dry basis % by mass (Minimum)	Cooking Test total solids in gruul % by mass (Maximum)	Free Acidity (ml. of 1N. NaOH solu- tion per 100 gm of pro- duct) (Maximum)
1	2	3	4	5	9	7
Grade-I	10	0.7	0.05	1.80	8	3
Grade-II	12	1.0	0.10	1.70	8	4

Description

General requirements

8

9

Vermicelli, Macaroni and Spaghetti means the products obtained from suji or maida with or without addition of ingredient like edible groundnut flour, tapioca flour, soya flour, milk powder, spices, vitamins, minerals, edible casein, edible oil seed flour, gluten vegetable or vegetable products, fruits and fruit products in any

(1) Macaroni, Spaghetti and Vermicelli shall be of good characteristic colours, flavour and odour and shall be free from rancidity, mustiness, bitterness of any other undesirable taste or odour. It shall also be free from impurities, any foreign matter, cracks, flaws, mould, insect infestation

shape and form. It shall be free from added colour, insect, larva and impurities or any other extraneous matter:

The forms and dimensions of macaroni, spaghetti, and Vermicelli should be as given below :

1. Macaroni

The material may be of two types, namely, long goods or cut goods :

- (a) The long goods should be in the form of tubular rods, smooth or corrugated. These should have the outer diameter ranging between 3 and 5 mm and of wall thickness of about 1mm.

- (b) The cut goods should be obtained by extrusion and may be in the form of elbows, tubes, shells, alphabets, numerals, stars, wheels, rings, rice, melon seeds as agreed to between the purchaser and the supplier.

2. Spaghetti

The material should be in the form of solid rods of diameter 1mm.

3. Vermicelli

The material should be in the form of solid rods of diameter between 0.5 and 1.25mm.

or other spoilage. The material shall retain its shape and show no signs of disintegration and shall swell appreciably when plunged into vigorously boiling water and boiled for 10 minutes; The material shall be smooth to the touch and shall not contain any added colouring matter;

2. Enrichment

Subject to the agreement between the purchaser and the supplier, the material may be fortified with one or more of the following :

- (a) Mineral-Calcium, phosphorus and iron.
(b) Vitamins-A, B Complex and D.

3. The product shall be derived from the raw materials and ingredients quality of which meets the mandatory requirements under prevention of Food Adulteration Act 1954 and Food Adulteration Rules 1955.

4. Mycotoxin including aflatoxin should not be more than 30 microgram per kilogram.

5. The product must comply with the rules 65 of the prevention of Food Adulteration Act 1954 and Food Adulteration Rules 1955 as amended from time to time with respect of insecticide residue.

6. The product must comply with the rules 57 of the prevention of Food Adulteration Act 1954 and Food Adulteration Rules 1955 as amended from time to time with respect of poisonous metals.

[F. No. 18011/7/97-M-II.]

V. N. MISRA, Economic Adviser (Agricultural Marketing)

(ग्रामीण विकास विभाग)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1998

सा.का.नि. 212--प्याज श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1998 का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और प्याज श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1964 को उन बातों के सिवाय अधिकांश करने हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों को जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के उस राजपत्र की प्रतियां, प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात विचार किया जाएगा ;

उक्त प्रारूप नियमों की बाबत कोई सुझाव या आक्षेप करने का इच्छुक कोई व्यक्ति इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर उसे, केन्द्रीय सरकार के विचार के लिए कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, विपणन और निरीक्षण निदेशालय, प्रधान कार्यालय, एन.एच.-4, फरीदाबाद-121001 (हरियाणा) को भेज सकेगा।

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना :--

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्याज श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1998 है;
- (2) ये प्याज (एलियम सोपा एल) निर्जलीकृत प्याज और चूर्ण को लागू होंगे ;
- (3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तकनीकी संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो :—

- (1) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है ;
- (2) “प्राधिकृत पैकर” से ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय अभिप्रेत है जिसे इन नियमों में विहित श्रेणी मानक और प्रक्रिया के अनुसार वस्तु का श्रेणीकरण और चिह्नीकरण करने के लिए प्राधिकार प्रमाण पत्र अर्पित किया गया है ;
- (3) ‘प्राधिकार प्रमाणपत्र’ से साधारण श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1988 के अधीन श्रेणी अभिधान चिह्न से प्याज, निर्जलीकृत प्याज और चूर्ण का श्रेणीकरण और चिह्नीकरण करने के लिए किसी व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय को प्राधिकृत करते हुए जारी किया गया प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ;
- (4) ‘अनुसूची’ से इन नियमों से सलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ;
- (5) ‘बोटलनेक’ प्याज के संबंध में वह प्याज के उन केन्द्रों से अभिप्रेत है जिनकी सामान्यतः गर्दन मोटी है ;
- (6) ‘नुकसानी’ प्याज के संबंध में ऐसी कोई क्षति या दोष अभिप्रेत है जो भौतिक रूप में किसी विशेष प्याज के खाद्य या पीत परिवहन क्वालिटी के लोप के रूप रंग को प्रभावित करती है, और उसके अंतर्गत निम्नलिखित में से एक या अधिक सम्मिलित है :—
 - (क) “डाइसनस्केल” अर्थात् ऐसी कोई क्षति जो प्याज का छिलका उतारे बिना मामूली से अधिक आसानी से दिखाई देती है ;
 - (ख) ‘मैकेनिकल क्षति’ अर्थात् ऐसे कोई कटाव जो दो छिलकों में से अधिक गहरा है या ऐसा कोई कटाव जो प्याज के स्वरूप को गंभीरता से नुकसान पहुंचाया है ;
 - (ग) ‘बीजतना’ अर्थात् ऐसे तने जो कठोर या काष्ठीय हैं या जिनका व्यास 6 मि.मी. से अधिक है ;
 - (घ) “अंकुरण” अर्थात् कन्द के ऊपर दृश्यमान अंकुर उगे हुए हैं ;
 - (ङ) “धब्बा” मौसम या अन्य साधनों के कारण कोई विरंजन हुआ है जिससे प्याज के स्वरूप को गंभीरता से प्रभावित किया है ;
 - (च) “धूप से झूलसन” अर्थात् गहरे हरे रंग का ऐसा कोई विकास जो 7-8 से.मी. व्यास में की किसी प्याज पर 2.5 से.मी. के किमी वृत्त के समतुल्य क्षेत्र को प्रभावित करता है या हल्के हरे रंग का ऐसा कोई पञ्चात्तर्वर्ती

लघुतर या बृहत्तर क्षेत्र का व्यास जो प्याज के पृष्ठ को 15 प्रतिशत से अधिक प्रभावित करता हो ;

- (छ) ‘ऊपरी जिंग’ अर्थात् ऐसा प्याज जिसकी 5-10 से.मी. से अधिक पर काटा गया है, ऐसे प्याज की प्रतिशतता किसी लाट में 20 प्रतिशत से अधिक नहीं है ;
- (7) ‘व्यास’ प्याज के मध्य में प्याज के कन्दों को अधिकतम सिसाए अभिप्रेत है जिन्हें तने में जड़ तक सीधी रेखा में समकोण पर लिया गया है, और
- (8) “जूड़ा प्याज” प्याज के संबंध में ऐसा प्याज अभिप्रेत है जिसका विकास एक से अधिक विभिन्न कन्दों के रूप में हुआ है, जिसका तना बाहुल्य प्रवरण तने के स्थिति या उसके बिना केवल आधार पर जूड़ा हुआ है ;
- (9) “परिपक्व कन्द” से ऐसा कन्द अभिप्रेत है जिसकी कटाई तब की गई है जब उसकी मांसी पत्तियां विकास के उमस्तर पर नीचे झुक गई हैं जिस पर प्याज मजदूती में जमी हुई है ;
- (10) “युक्तियुक्त रूप में प्याज का जमाव” प्याज के संबंध में अभिप्रेत है, प्याज को हल्के सामूली दबाव में निचाला जा सके किन्तु यह स्पर्श करने पर मुलायम या सफ़ी न हो ;
- (11) “निर्जलीकृत प्याज” से ऐसा प्याज अभिप्रेत है जिनमें से अधिकांशतः तनी को निर्वाचित दवाओं के अधीन निर्जलीकृत प्याज के विभिन्न वाणिज्यिक स्वरूपों के लिए निकाल दिया गया हो। इस प्याज को विभिन्न स्वरूपों में अर्थात् पीसी हुई प्याज, कटी हुई प्याज, प्याज की छिटे, प्याज के छल्ले और कतरनों से चिह्नित किया गया है। गंधाबली के लिए निम्नलिखित परिभाषाएं लागू होंगी।
 - (क) ‘पीसी हुई प्याज’ प्याज के टूटे हुए, टुकड़े हुए जो भा. मा. 3.35 मिमी. की छलनी से निकल जाते हैं और भा. मा. 1500 माइक्रोन छलनी में उसका 90 प्रतिशत भाग रह जाते हैं ;
 - (ख) ‘कटी हुई प्याज’ यह प्याज को काटकर तैयार की जाती है और निर्जलीकरण के पश्चात् छिटे और चूर्ण को निकालने के लिए छानी जाती है ;
 - (ग) ‘प्याज की छिटे’ यह ऐसे टुकड़े हैं जो भा. मा. 9 मि.मी. की छलनी से निकल जाते हैं किन्तु भा. मा. 80 माइक्रोन की छलनी में रह जाते हैं ;
 - (घ) ‘प्याज की छल्ले और कतरन’ यह पूर्ण छल्ले या आधे छल्ले हैं जो प्याज कतरनों को निर्जलीकृत करके और टूटे हुए टुकड़ों की छलनी द्वारा निकाल कर प्रस्तुत की जाती हैं ;

(7) 'प्याज चूर्ण' यह एक ऐसा उत्पाद है जो निर्जलीकृत प्याज को पीसकर पिसवने वाला महीन चूर्ण प्राप्त करने के लिए अभिप्राप्त किया जाता है जिसका भा. भा. 500 माइक्रोन छलनी में प्रतिशत में अधिक न रह सके।

3 श्रेणी अभिधान :—प्याज, निर्जलीकृत प्याज और चूर्ण की क्वालिटी उपदर्शित करने के लिए श्रेणी अभिधान अनुसूची 2 से अनुसूची 10 के स्तम्भ 1 में उपवर्णित प्रकार के होंगे।

4 क्वालिटी की परिभाषा :—अपने-अपने श्रेणी अभिधान और साधारण विशिष्टताओं द्वारा उपदर्शित क्वालिटी, अनुसूची 2 से अनुसूची 3 के स्तम्भ 2 से 5, अनुसूची 4 से अनुसूची 7 के स्तम्भ 2 से 4, तथा अनुसूची 8 और 9 के स्तम्भ 2 से 6 में प्रत्येक श्रेणी अभिधानों के सामने उपनिर्णित प्रकार की होगी।

5. श्रेणी अभिधान चिह्न :—श्रेणी अभिधान चिह्न में निम्नलिखित होगा :—

- (i) एक लेबल, जिस पर वस्तु का नाम श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और उस पर अनुसूची 1 में दिए गये डिजाइन होगा जिसमें "एगमार्क" शब्द के साथ भारत के मानचित्र का रेखाचित्र और उगते हुए सूर्य का चित्र होगा या
- (ii) "एगमार्क प्र कृति" में एक डिजाइन होगा, जिसमें प्राधिकार प्रमाणपत्र का संख्यांक सम्मिलित करते हुए "एगमार्क" शब्द, उत्पाद का नाम और श्रेणी अभिधान होगा और उसके मध्य होगा जैसा अनुसूची 1-क में दिया गया है ;

परन्तु एगमार्क लेबल के स्थान पर एगमार्क प्रतिकृति का उपयोग केवल ऐसे प्राधिकृत पैकरो के लिए अनुज्ञात होगा जिन्हें कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1988 में विहित शर्तों के अधीन रहते हुए आवश्यक अनुज्ञा दी गई है।

6. चिह्नांकन की पद्धति :—(1) श्रेणी अभिधान चिह्न कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से मजबूती से प्रत्येक आधान पर चिपकाया जाएगा या स्पष्ट रूप में और अमिट रूप में मुद्रित किया जाएगा।

(2) वस्तु के श्रेणी अभिधान चिह्न के अतिरिक्त, प्रत्येक आधान पर निम्नलिखित विनिर्दिष्ट स्पष्ट और अमिट रूप में चिह्नांकन की जाएगी।

- (क) पैकर का नाम और पता
- (ख) पैकिंग की तारीख, मास और वर्ष में
- (ग) पैकिंग का स्थान
- (घ) शुद्ध वजन
- (ङ) लाट/बैच संख्यांक

(च) अंशगाने तिथि

(छ) कीमत।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार या उसके द्वारा साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1988 के नियम 11 के अनुसार सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी के पूर्व-अनुमोदन से अपना प्राइवेट व्यापार चिह्न या व्यापार ब्रांड श्रेणीकृत पैकेजों/आधानों पर चिपका सकेगा परन्तु यह तब जबकि वह श्रेणीकृत पैकेजों/आधानों पर चिपकाए गए श्रेणी अभिधान चिह्न द्वारा उपदर्शित क्वालिटी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी उपदर्शित न करता हो।

7. पैक करने की पद्धति :—(i) श्रेणीकृत प्याज केवल जूट के ठोस स्वच्छ और शुष्क आधानों में जो जूट, लकड़ी के गत्ते जालियों बांस को टोकरियों, खजूर की पत्तियों से बनी टोकरियों, थैलों, गत्ते के डिब्बों में पैक की जाएगी। निर्जलीकृत प्याज और चूर्ण स्वच्छ ठोस आधानों में पैक की जाएगी जो ऐसी सामग्री से बने होंगे जिससे प्याज और चूर्ण पर प्रभाव नहीं पड़ेगा और नमी से इन्हें संरक्षण प्रदान करेंगे।

प्याज के छल्ले, टुकड़े और चूर्ण या ग्रिट की दशा में 50 ग्राम से 1000 ग्राम के उपभोक्ता पैकों को कागज/0.02 मिली. एल्यूमीनियम पर्ण/158 गेज पोलिथिलीन पटलित से बने पाउचों में पैक किया जाएगा। पाउच की मजबूती से दो प्लाई की कार्बोरेटेड सीट कवर/डिब्बा या अन्य समग्रियों में लपेटकर बांधा जाएगा या किसी अन्य रीति में जो कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किसी अन्य रीति में श्रेणीकरण एवं चिह्नांकन नियम, 1988 के नियम 11 के अनुसार पैक किया जाएगा। परन्तु यह कि पैक करने की सामग्री खाद्य अप-विषणन निवारण निधम, 1955 के अधीन यथाअनुज्ञात खाद्य श्रेणी क्वालिटी का हो।

(2) सभी मामलों में आधान कीटग्रसन, फफूंदी संतृपण, ऐसी सामग्री जिनमें रंग मिले हो, हानिकारक पदार्थ या अवां-छनीय या अप्रिय गंध से मुक्त होंगे।

(3) प्रत्येक पैकेज में केवल एक श्रेणी अभिधान की सामग्री होगी। निर्जलीकृत प्याज/चूर्ण के उपयुक्त सख्या में छोटे पैकों को जिनमें उसी लाट/बैच की श्रेणीकृत सामग्री और श्रेणी अभिधान अंतर्विष्ट है, किन्तां बड़े आधान जैसे जूट के थैले, लकड़ी के मजबूत गत्ते के डिब्बे आदि में पैक किया जाएगा। बड़े आधानों पर धीरे सहित लेबल बांधे जाएंगे।

(4) प्रत्येक पैकेज में प्याज और निर्जलीकृत प्याज की केवल एक ही श्रेणी होगी।

8. प्राधिकार प्रमाणपत्र की मंजूरी के लिए विशेष शर्तें :—साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1988 के नियम 3 के उपनियम (8) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त इन नियमों के अधीन प्याज निर्जलीकृत प्याज/चूर्ण के श्रेणीकरण

और चिन्हांकन के लिए प्राधिकार प्रमाणपत्र की मंजूरी के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त शर्तें होंगी, अर्थात् :--

(1) प्राधिकृत पैकर निर्जलीकृत प्याज चूर्ण की गुणवत्ता की परीक्षण करने के लिए साधारण श्रेणीकरण एवं चिन्हांकन नियम 1988 के नियम 9 के अनुसार या तो अपनी प्रयोगशाला स्थापित करेगा जिसमें कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी

द्वारा अनुमोदित कोई अर्हित रसायनज्ञ होगा या उसको इस प्रयोजन के लिए अनुमोदित राज्य श्रेणीकरण प्रयोगशाला या प्राइवेट वाणिज्यिक प्रयोगशाला में पहुंच रखना होगा।

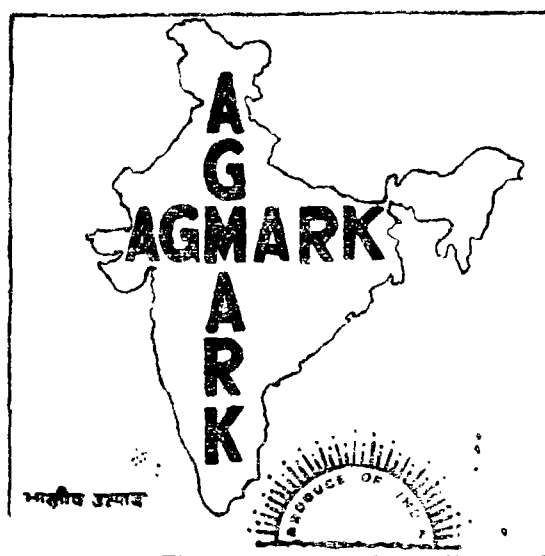
(2) प्रसंस्करण, श्रेणीकरण और पैकिंग के लिए परिसरों को पूर्णतया स्वास्थ्यप्रद और स्वच्छ दशाओं में रखा जाएगा।

(3) इन प्रचालनों में लगे कार्मिकों का अच्छा स्वास्थ्य होगा और वे किसी संक्रामक रोग से मुक्त होंगे।

अनुसूची--1

[नियम 5 (i) देखिए]

एगमार्क लेबल का डिजाइन



अनुसूची 1--क

(नियम 5 (ii) देखिए)

एगमार्क प्रतिकृति का डिजाइन



NAME OF COMMODITY.....

GRADE

वस्तु का नाम -----

श्रेणी -----

अनुसूची—II

(नियम 3 और 4 देखें)

नासिक/सौराष्ट्र/बेलारी/पुणे की क्वालिटी का श्रेणी अभिधान और परिभाषा (खरीफ/मानसून फसल से भिन्न)

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा		
	विशेष विशिष्टताएं		
	रंग	आकार, व्यास मिलीमीटर में	तृटिपूर्ण, रोगग्रस्त और क्षति-ग्रस्त कन्डों को द्रव्यमान के आधार पर प्रतिशतता (अधिकतम)
1	2	3	4
अतिरिक्त बड़ा	हल्का गुलाबी	65 और उससे ऊपर	10
बड़ा	हल्का गुलाबी	45 और 65 से नीचे	10
मध्यम	हल्का गुलाबी	35 से ऊपर और 45 से नीचे	10
छोटा	हल्का गुलाबी	25 से ऊपर और 35 से नीचे	10
*अविनिर्दिष्ट			

टिप्पण :—(1) आकार की सहायता आकार में दुर्घटनाग्रस्त तृटियां ऐसे किसी लाट में जो विहित न्यूनतम व्यास से ठीक नीचे की श्रेणी का है, कन्द के वजन के आकार पर 5% से अधिक नहीं होगी।

(2) तृटिपूर्ण रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त कन्द इसके अंतर्गत कुरचित धब्बाग्रस्त, विरंजित, रोगग्रस्त, क्षतिग्रस्त बीज, तना, उपरी जड़, नमी, शुष्क आतपद्रवदाह, धूप से झुलसन, अंकुरित, यांत्रिक या अन्य क्षतियां जो क्वालिटी को आंतरिक और बाह्य रूप से भौतिक तौर पर प्रभावित करती हैं।

*अविनिर्दिष्ट : यह नियमित श्रेणी नहीं है। त्रेता की ऐसी विनिर्दिष्ट अपेक्षाएं पूरा करने के लिए उपबंधित है जो नियमित श्रेणियों में से किसी के अंतर्गत नहीं आती है। यह केवल त्रेता से विनिर्दिष्ट आदेश के विरुद्ध मात्रा और अपेक्षित क्वालिटी उपदर्शित करने हुए श्रेणी नियति के लिए अनुज्ञात किया जाएगा :

साधारण विशिष्टताएं

5

केन्द —

- (1) बनावट, आकार, रंग और किस्म/प्रकार के तीखेपन के लक्षणों में युक्ति युक्त रूप से समरूप होगा;
- (2) परिपक्व, स्पर्श करने में ठोस, कठोर और चिपके हुए छिलके से युक्त, तुषाकरण के कारण क्षति, जुड़वा और बोटल नेक से मुक्त होगा ;
- (3) तने काट दिए जाने चाहिए और लम्बाई में 4 सेंटीमीटर से अधिक न हो, तने वाली प्याज के सिवाय;
- (4) पूर्णरूप से उपचारित और शुष्क होंगे;
- (5) धूल और अन्य विजातीय पदार्थों से मुक्त होंगे।
- (6) स्तंभ 4 के अधीन यथाविनिर्दिष्ट की सीमा तक बीज तने, उपरी भाग, जड़ें, नमी, शुष्क आतप द्रवदाह धूप से झुलसन, अंकुरण के कारण हुई यांत्रिक या अन्य क्षतियों तथा धब्बों, तृटिपूर्ण क्षतिग्रस्त, क्षरण और क्षतिग्रस्त कन्डों से मुक्त होगा ;
- (7) फफूंदी मुलायम जड़ और कीटों के प्रभाव से मुक्त होगा ;
- (8) विषैले तत्व, विषैली धातु, धात्विक, संदूषण और कीटनाशी अवशिष्ट, संरक्षारक का उपयोग, फसल संदूषण और प्राकृतिक रूप से आनेवाले विषैले पदार्थ की बाबत समय-समय पर यथासंशोधित क्षाद्व अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट निबन्धनों का अनुपालन करना होगा।

अनसूची—III

(नियम 3 और 4 देखें)

नासिक/पुणे और धुलिया प्याज की क्वालिटी का श्रेणी अभिधान और परिभाषा (एलियम सीपा एल.)

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा		
	विशेष विशिष्टताएं		
	रंग	आकार, व्यास मिलीमीटर में	वृटिपूर्ण, रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त कन्दों का भार प्रति-शत (अधिकतम)
1	2	3	4
प्रतिरिक्त बड़ा	गुलाबी, लाल से गहरा लाल	65 और उससे ऊपर	10
बड़ा	गुलाबी, लाल से गहरा लाल	45 से ऊपर 65 से कम	10
मध्यम	गुलाबी, लाल से गहरा लाल	35 से ऊपर 45 से कम	10
छोटा	गुलाबी, लाल से गहरा लाल	25 से ऊपर 35 से कम	10

टिप्पण :— (1) खरीफ/मानसून फसल—	नासिक, पुणे और धुलिया क्षेत्र में उगाई गई स्थानीय “धूल फसल” से ज्ञात
(2) आकार की सहायता	आकार में दुर्घटनाग्रस्त वृटियां ऐसे लाट में जो विहित न्यूनतम व्यास से ठीक नीचे की श्रेणी का है, कन्द के वजन के आधार पर 5% से अधिक नहीं होंगी।
(3) वृटिपूर्ण, रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त कन्द—	वृटिपूर्ण, रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त कन्द के अंतर्गत कुरचित, धब्बाग्रस्त, विरंजित रोगग्रस्त, क्षतिग्रस्त बीज, तन्व, उपरी जड़, नमी, शुष्क आतप द्रवदाह, धूप से झुलसन, अंकुरित, यांत्रिक अथवा अन्य क्षतियां जो क्वालिटी को आंतरिक और बाह्य रूप से भौतिक तौर पर प्रभावित करती हैं।

साधारण विशिष्टताएं

5

कन्द :—

- (1) बनावट, आकार, रंग, तीखेपन के लक्षणों में युक्ति युक्त रूप से किस्म/प्रकार के समरूप होगा।
- (2) परिपक्व, स्पर्श करने में ठोस, कठोर और चिपके हुए ठिलके से मुक्त होगा;
- (3) पूर्णरूप से उपचारित और शुष्क होंगे;
- (4) धूल और अन्य विजातीय पदार्थ, तुषार के कारण क्षतिग्रस्त, बीज तनों, फलक जड़ें, नमी, शुष्क आतप द्रवदाह, झुलसन, अंकुरण, यांत्रिक और अन्य क्षतियों और त्रणों के कारण हुई क्षति से मुक्त होंगे। तने पटल में 4 सें. मी. से अनधिक की लम्बाई पर काटे जाने चाहिए, उसके सिवाय विकृत प्याज और डबल बोटल नेक से मुक्त होंगे।
- (5) फंफूदी, मुलायम जड़े, कीट आक्रमण और क्षतिग्रस्त कन्द, फंफूदी रोगों से मुक्त होगा;
- (6) विषैले तत्व, बिषैली धातु, धात्विक संदूषण, और कीटनाशी अवशिष्ट संरक्षक का उपयोग, सद्गुण और प्राकृतिक रूप से आने वाले विषैले पदार्थ की वास्तविक समय-समय पर यथा संशोधित खाद्य चर्माश्रय निवारण नियम, 1955 के अधीन विनिर्दिष्ट निबन्धनों का अनुपालन करना होगा।

अनुसूची—IV

(नियम 3 और 4 देखें)

डेंडीगल या “कार” या “पोडिस्” या “लाल” प्याज (एलियम सीपा एल.) की क्वालिटी का श्रेणी अभिधान और परिभाषा

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा	
	विशेष विशिष्टताएं	
	रंग	आकार, व्यास मिमी. में (न्यूनतम)
1	2	3
विशेष	हल्का बैंगनी से गुलाबी	15
अच्छा	—यथोक्त—	10

टिप्पण :—

- सह्यता आकार में दुर्घटनाग्रस्त लुटियां कन्द के भार के आधार पर 10% से अधिक नहीं होंगी और न्यूनतम विहित व्यास से लघुतर होंगी इस मामले में पुंज में यह सबसे छोटी प्याज होगा जो श्रेणीकरण के प्रयोजन के लिए व्यास को माप करने में गणना में ली जाएगी।
- साधारण विशिष्टताओं की बाबत अपेक्षाओं के संबंध में सह्यता उपर्युक्त श्रेणीकरण की क्रियाओं में आकस्मात् घटनाओं के कारण आकार के अन्वया में होने वाले भिन्नताओं की दृष्टि से किसी लाट में भार के आधार पर 10% से अधिक प्याज अपेक्षित श्रेणी में नहीं होगी।

साधारण विशिष्टताएं

4

दो या अधिक पुंजों या समूहों में आने वाले कन्द जो आधार पर साथ-साथ जुड़े हैं वे कन्द:—

- युक्तियुक्त रूप में आकृति में, रंग में, और किस्म प्रकार की तीक्ष्णता की विशेषताएं में युक्तियुक्त रूप से समरूप होंगे,
- परिपक्व स्पर्श करने में ठोस, कठोर और चिपके हुए छिलके से युक्त तुषारण के कारण क्षति जुड़वा और बोटल नेक से युक्त होगा ;
- पूर्णरूप से उपचारित और शुष्क होंगे;
- बीज तने, बड़ी जड़े शुष्क आतप द्रवदाह, धूप में झुनगन, अकुरण के कारण हुई यांत्रिक या अन्य क्षतियों तथा धब्बों से मुक्त होगा ;
- फफूंदी मुलायम जड़ और कांटों के आक्रमण से मुक्त होंगे;
- विपैली तत्व, धात्विक सद्गुण, कीटनाशी अवशिष्ट संरक्षक का उपयोग, फसल सद्गुण और प्राकृतिक रूप में आने वाले विपैले पदार्थ की वास्तविक समय पर यथासंगोहित खाद्य अभिश्रम निवारण नियम 1955 के प्रकीर्ण यथा विनिर्दिष्ट निर्वन्धनों का अनुपालन करना होगा।

अनुसूची—V

बंगलौर प्याज की क्वालिटी का श्रेणी अभिधान और परिभाषा (एलियम सीमा एल.)

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा	
	रंग	आकार (व्यास) मिमी. में (न्यूनतम)
1	2	3
बड़ा	हल्का बैंगनी से बैंगनी	30
मध्यम	—यथोक्त—	20
छोटा	—यथोक्त—	15
मिश्रित	विभिन्न आकार का परन्तु 15 मिमी. से कम आकार का नहीं	—

टिप्पण :—

- (1) सङ्गता— आकार में दुर्घटनाग्रस्त त्रुटियों के लिए ऐसे किसी लाट में जो विहित न्यूनतम व्यास से ठीक नीचे की श्रेणी का कन्द वजन के आधार पर 5% से अधिक नहीं होगा।
- (2) साधारण विशिष्टताओं की बाबत अपेक्षाओं के संबंध में सह्यता :— उपयुक्त श्रेणीकरण की क्रियाओं में अकस्मात् घटनाओं के कारण आकार के अलावा अन्य में होने वाले भिन्नताओं की दृष्टि से किसी भी लाट में भार के आधार पर 10 प्रतिशत से अधिक प्याज अपेक्षित श्रेणी में नहीं होगा।
- (3) मिश्रित इस श्रेणी में केवल “फर्म आदेश की बाबत प्याज पैक किया जाएगा।

साधारण विशिष्टताएं

4

कन्द :—

- (1) बनावट, आकार, रंग और किस्म/प्रकार की सीलेपन के लक्षणों में युक्तियुक्त से समरूप होगा ;
- (2) परिपक्व, स्पर्श करने में ठोस, कठोर और चिपके हुए छिलके, दो कन्दों और बोटल नेक से मुक्त होगी ;
- (3) पूर्णरूप से उपचारित और शुष्क होंगे ;
- (4) बीज, तने, ऊपरी भाग, जड़ों, नमी, शुष्क आतप द्रवदाह धूप से झुलसन अंकुरण के कारण हुई यांत्रिक या अन्य क्षतियों, धब्बों, मिट्टी के कणों तथा अन्य बाह्य पदार्थों से मुक्त होगा ;
- (5) फफूंदी, मुलायम जड़ सड़न और काटों के आक्रमण से मुक्त होंगे ;
- (6) विषैले तत्व, धात्विक सङ्द्रवण और कीटनाशी अवशिष्ट, संरक्षक का उपयोग, फसल सङ्द्रवण और प्राकृतिक रूप से आने वाले विषैले पदार्थ की बाबत समय-समय पर यथासंशोधित खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के अधीन यथाविनिर्दिष्ट निबन्धनों का अनुपालन करना होगा।

अनुसूची VI

(नियम 3 और 4 देखें)

कृष्णपुरम/चित्ती बेललारी प्याज (एलियम सीपा एल.) की क्वालिटी का श्रेणी अभिधान और परिभाषा

श्रेणी अभिधान

क्वालिटी की परिभाषा

विशेष विशिष्टताएं

रंग	आकार (व्यास) (मिमी. में) (न्यूनतम)	
1	2	3
बड़ा	हल्का गुलाबी से गहरा गुलाबी	35
मध्यम	—यथोक्त—	25
छोटा	—यथोक्त—	15
मिश्रित*	—यथोक्त—	विभिन्न आकार का परन्तु 15 मि.मी. से कम आकार का नहीं

- टिप्पण : (1) आकार सह्यता—आकार में दुर्घटनाग्रस्त लुटिया ऐसे किसी लाट में जो विहित न्यूनतम व्यास से ठीक नीचे की श्रेणी का कन्द वजन के आधार पर 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी ।
- (2) साधारण विशिष्टताओं की बाबत अपेक्षाओं के संबंध में सह्यता—उपयुक्त श्रेणीकरण को क्रियाओं में अकस्मात् घटनाओं के कारण आकार के अलावा अन्य में होने वाले भिन्नताओं को दृष्टि से किसी भी लाट में भार के आधार पर 10 प्रतिशत से अधिक प्याज अपेक्षित श्रेणी में नहीं होगा ।
- (3) मिश्रित*—इस श्रेणी में केवल “फ.म. आदेश” की बाबत प्याज पैक किया जायेगा ।

साधारण विशिष्टताएं

4

कन्द :—

- (1) बनावट, आकार, रंग और किस्म/प्रकार की तीखेपन के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से समरूप होगा ;
- (2) परिपक्व, स्पष्ट करने में ठोस, कठोर और चिपके हुए छिलके दो कन्द और बोटलनेक से मुक्त होगी ;
- (3) पूर्णरूप से उपचारित और शुष्क होंगे ;
- (4) बीज, तने के ऊपरी भाग जड़े, नमी, शुष्क आतम द्रवदाह, धूप से झुलसन, अकुरण के कारण हुई यांत्रिक या अन्य क्षतियों धब्बों, मिट्टी के कणों तथा अन्य बाह्य पदार्थों से युक्त होगा ;
- (5) फफूंदी मुलायम जड़ और कीटों के आक्रमण से मुक्त होगा ;
- (6) विषैले तत्व, धात्विक संदूषण और कीटनाशी अवशिष्ट संरक्षारमक का उपयोग, फसल संदूषण और प्राकृतिक रूप से आने वाले विषैले पदार्थ की बाबत समय-समय पर यथासंशोधित खाद्य अपशिष्ट निवारण नियम, 1955 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट निर्बन्धनों का अनपालन करना होगा ।

अनुसूची-VII

(नियम 3 और 4 देखें)

मद्रास और आन्ध्र प्रदेश राज्यों में उत्पादिन केवल बीज के प्रयोजन के आशान्वित लाल मैटलूरी यस प्याज (एलियम सीमा एल) की क्वालिटी का श्रेणी अभिधान और परिभाषा

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा	
	विशेष विशिष्टताएं	
	रंग	आकार (मि.मी. में व्यास)
1	2	3
विशेष	हल्का बैंगनी से गुलाबी	15
अच्छा	हल्का बैंगनी से गुलाबी	20

- टिप्पण : 1. आकार की सह्यता दुर्घटनाग्रस्त लुटियों के कारण आकार में न्यूनतम व्यास के लघुतर कन्द की मात्रा भार के आधार पर 10% से अधिक नहीं होगी। इस मामले में पुज में यह सबसे छोटी प्याज है जो श्रेणीकरण के प्रयोजन के लिए व्यास की माप करने में गणना में ली जाएगी।
2. साधारण विशिष्टताओं की वावत अपेक्षाओं के संबंध में सहायता उपयुक्त श्रेणीकरण की क्रियाओं में अवस्थित घटनाओं के कारण कथित आकार के अलावा अन्य में होने वाले भिन्नताओं की दृष्टि में किसी भी लाट में भार के आधार पर 10% से अधिक प्याज अपेक्षित श्रेणी में नहीं होगा।

साधारण लक्षण

4

दो या अधिक पुंजी या समूहों में आने वाले कन्द जो आधार पर साथ-साथ जुड़े हैं, वहां कन्द :—

- (1) आकृति में, रंग में, और किस्म/प्रकार की तीक्ष्णता की विशेषताओं में युक्तियुक्त रूप से समरूप होंगे ;
- (2) परिपक्व, स्पष्ट करने में ठोस, कठोर और चिपके हुए छिलके युक्त, बोटल नेक से मुक्त होगा ;
- (3) पूर्णरूप से उपचारित और शुष्क होंगे ;
- (4) बीज—तने, नमी, गुष्क, यांत्रिक या अन्य क्षतियों तथा धब्बों, धूल या अन्य विजातीय पदार्थों से मुक्त होगा ;
- (5) फफूंदी, रोगों, मुलायम जड़ों, क्षरण और कीटों के आक्रमण से मुक्त होंगे,
- (6) विषैले तत्व, विषैली धातु, धात्विक संदूषण और कीटनाशी अवशिष्ट संरक्षक उपयोग, फसल संदूषण और प्राकृतिक रूप से आने वाले विषैले पदार्थ की वास्तव समय-समय पर यथासंशोधित खाद्य अपशिष्ट निवारण नियम, 1955 के अधीन यथाविहित निर्बंधनों का अनुपालन करना होगा।

अनुसूची-VIII

(नियम 3 और 4 देखें)

निर्जलीकृत प्याज की क्वालिटी की परिभाषा और श्रेणी अभिधान

श्रेणी अभिधान		क्वालिटी की परिभाषा		
विशेष विशिष्टताएं				
1	2	3	4	5
श्रेणी-I	8.0	5.0	0.5	4.0
श्रेणी-II	8.0	6.0	0.5	5.0
श्रेणी-III	8.0	7.0	0.5	6.0
साधारण विशिष्टताएं				
6				

- (1) निर्जलीकृत प्याज :—में रंग की विशेषताओं की किस्म होगी इनका रंग या तो अल्प सफेद या भूरा होगा जिससे इसे संसाधित किया जाता है ;
- (2) यह उपयोग की गई किस्म की चिह्नित तीक्ष्ण महक वाली विशेषताएं होगी ;
- (3) यह, महक, विजातीय गंध, विकृतगंधी और मस्ती गन्ध अतिरिक्त रंजक पदार्थों से मुक्त होगी ;
- (4) यह उत्पाद, धूल, फफूंदी, कीटग्रसन से मुक्त होगा। यह किसी परिरक्षक कृत्रिम रंजक पदार्थ विरंजक पदार्थों और सुख्चि कर्मकों से मुक्त होंगे ;
- (5) निर्जलीकृत प्याज को जल में चार घंटे निस्पंदक करने के पश्चात् उससे लगभग कच्ची, ताजा, छिली और कटी हुई अच्छी क्वालिटी की प्याज का उत्पाद गठित होगी। जब किसी धातु का अनेमल वर्तन में 1% सोडियम क्लोराइड घोल के 250 मि. ली. में उत्पाद का 30 ग्रा. को पकाया जाएगा तो उबला हुआ और कुरकुरा पदार्थ कठोरता या दुर्गन्धना से मुक्त होगा तथा उसमें पकाई हुई प्याज की विशेष महक, रंग और गन्ध होगी।
- (6) उत्पाद अफ्लाटाक्सीन, बिषैली धातु, धात्विक संदूषण, कीटनाशी अवशिष्ट तथा अन्य कोई अपेक्षाओं की सीमा समय-समय पर यथासंशोधित खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 तथा नियम, 1955 के आन्नापक उपबंधों के अनुरूप होंगे।
- (7) सूक्ष्म दर्शी अवधारण करने पर जब 25 ग्राम सामग्री का परीक्षण किया जाता है तो सूक्ष्मजीवी अपेक्षाएं अर्थात्, सालमोवेला, सांगेला और ई. कोली उसमें उपस्थित नहीं होगी।

अनुसूची-IX

(नियम 3 और 4 देखें)

निर्जलीकृत प्याज चूर्ण की क्वालिटी की परिभाषा और श्रेणी अभिधान

श्रेणी अभिधान

क्वालिटी की परिभाषा

विशेष विशिष्टताएं

	द्रव्यमान के आधार पर नमी प्रतिशतता (अधिकतम)	शुष्कता के आधार पर कुल भस्म की द्रव्यमान के आधार पर प्रतिशतता (अधिकतम)	शुष्कता के आधार पर अम्ल अविलेय भस्म की द्रव्यमान के आधार पर प्रतिशतता (अधिकतम)	शुष्कता के आधार पर अपरिष्कृत रेशे की द्रव्यमान के आधार पर प्रतिशतता (अधिकतम)
1	2	3	4	5
श्रेणी—I	5.0	5.0	0.5	4.0
श्रेणी—II	5.0	6.0	0.5	5.0
श्रेणी—III	5.0	7.0	0.5	6.0

6

साधारण विशिष्टताएं

निर्जलीकृत प्याज चूर्ण :—

- (1) 500 माइक्रोन भारतीय मानक छलनी पर 2% से अधिक प्रतिधारित नहीं होगा ;
- (2) प्याज चूर्ण का स्वाद और सुगन्ध ताजा और सामान्यतः उत्पाद से सहबद्ध होगा ;
- (3) पुष्कित चूर्ण से मुक्त होगा और अरुचि महक, विजातीय गन्ध, विकृत गन्ध और विजातीय पदार्थ, फफूंदी वृद्धि, कीटग्रसन, परिरक्षक, कृत्रिम रंजक पदार्थ या विरंजक पदार्थ या सुरुचि कृषकों से मुक्त होंगे ;
- (4) उत्पाद विषैली धातु, धात्विक संदूषण, कीटनाशी, अवशिष्ट, अन्य अपेक्षाओं के लिए निहित सीमा और समय-समय पर यथासंशोधित खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 तथा नियम, 1955 के आज्ञापक उपबंधों के अधीन यथाअधिकथित किन्हीं अन्य प्रोक्षाओं के अनुरूप होंगे ;
- (5) सूक्ष्मदर्शी अवधारण करने पर जब 25 ग्राम सामग्री का परीक्षण किया जाना है तब सूक्ष्मजीवी अयेक्षाओं अर्थात् सालापरैजिला, विष्मैला, और ई. कोलो उसमें सम्मिलित नहीं होंगी ।

[फा. सं. 18011/8/97-एम. II]

वी. एन. मिश्र, आर्थिक सलाहकार (कृषि विपणन)

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 25th September, 1998

G.S.R. 212.—The following draft of the Onion Grading and Marking Rules, 1998 which the Central Government proposes to make, in exercise of powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and in supersession of Onion Grading and Marking Rules, 1964 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, are hereby published, as required by the said section, for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules shall be taken into consideration after the expiry of a period of fortyfive days from the date on which the copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public;

Any person desirous of making any suggestion in respect of the said draft rules may forward the same for consideration of the Central Government within the period specified, to the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, Directorate of Marketing and Inspection, Head Office, N.H. IV, Faridabad, Haryana-121001.

DRAFT RULES

1. Short title, application and commencement—

(1) These rules may be called Onion Grading and Marking Rules, 1998;

(2) They shall apply to onion (*Allium Cepa* L.) dehydrated onion and powder.

(3) They shall come into force from the date of their final publication in the official Gazette.

2. Definitions—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(1) “Agricultural Marketing Adviser” means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(2) “Authorised packer” means a person or a body of persons who have been granted a certificate of authorisation to grade and mark the commodity in accordance with the grade standards and procedure specified in these rules;

(3) “Certificate of authorisation” means the certificate issued under the provisions of General Grading and Marking Rules, 1988 authorising a person or a body of persons to grade and mark onion, Dehydrated onion and powder with the grade designation mark;

(4) “Schedule” means schedules appended to these rules;

(5) “Bottlenecks” in relation to onions means onion-bulbs which have abnormally thick-necks;

(6) “Damage” in relation to onions means any injury or defect which materially affects the appearance of the lot of the edible or shipping quality of the individual onion, and includes one or more of the following :—

(a) “Dry sun scale” that is to say, any injury which is more than slight and is readily apparent without peeling the onion;

(b) “Mechanical injury” that is to say, any cut extending deeper than two fleshy scales or cuts which seriously damaged the appearance of the onion;

(c) “Seed stem” that is to say, stems that are tough or woody or more than 6 mm in diameter.

(d) “Sprouting” that is to say, development of visible sprouts on the bulbs;

(e) “Staining” that is to say, any discolouration caused by weathering or other means to seriously affect the appearance of the individual onions,

(f) “Sunburn” that is to say, any development of dark green colour affecting the area equivalent to that of a circle of 2.5 c.m. in diameter on an onion of 7.0 c.m. in diameter or correspondingly smaller or larger area or medium to light green colour affecting more than 10 per cent of surface of the onion;

(g) “Tops” that is to say, onions which are trimmed to more than 5.0 cm., percentage of such onions in a lot being not more than 20 per cent.

(7) “Diameter” in relation to onion, means the greatest dimension of the onion bulbs taken at right angles to the straight line running from the stem to the root and;

(8) “Doubles” in relation to onions, means onion which have developed more than one distinct bulbs, with or without its outer clinning stem joined only at the base;

(9) “Mature bulbs” means bulbs which have been harvested when all the tops are down to a state of development at which onions are firm;

(10) “Reasonably firm” in relation to onions means that the onions may yield to slight

moderate pressure but are not tangibly soft or spongy;

- (11) "Dehydrated onion" means onions from which bulk of the moisture has been removed by dehydration under controlled conditions for various commercial forms of dehydrated onion. This onion is marked in different form such as kibbled onion, Minced onion, onion grits, and onion rings and slices. The following definitions for terminology will apply:

- (a) "Kibbled onion"—These are broken onion pieces which passes through 3.35 mm I.S. sieve and 90 per cent retained on 500 micron I.S. Sieve;
- (b) "Minced onion"—This is made by mincing onions and sieving after dehydration to remove grits and powder;
- (c) "Onion grits"—These are fragments passing through 9 mm, I.S. Sieve but retained on 850 micron I.S. sieve;
- (d) "Onion rings and slices"—These are rings or half rings produced by dehydrating sliced onions and removing the broken pieces by sieve;
- (e) "Onion Powder"—There is a product obtained by grinding dehydrated onion to obtain a free-flowing powder of which not more than 2 per cent shall be retained on 500 micron I.S. sieve.

3. Grade designation—The grade designations to indicate the quality of onion, dehydrated onion and powder shall be as set out in column-I of Schedules from II to X.

4. Definition of quality.—The quality indicated by such grade designation shall be set out against each grade designation shall be set out against each grade designation in columns 2 to 5 of the Schedules II to III, 2 to 4 of the Schedules from IV to VIII, and 2 to 6 of the Schedules VIII to IX.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of :—

- (i) a label specifying name of the commodity, grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and figure of the rising sun and resembling the one as set out in Schedule I or ;
- (ii) "Agmark replica" consisting of a design incorporating the number of certificate of authorisation, the word "AGMARK", name of the commodity and grade designation resembling the one as set out in Schedule-I A.

Provided that the use of Agmark replica in lieu of Agmark labels shall be allowed only to such authorised packers who have been granted permission by the Agricultural Marketing Adviser or officer authorised by him in this behalf and subject to the conditions as specified under the General Grading and Marking Rules, 1988.

6. Method of Marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or clearly and indelibly printed on each container;

(2) In addition to the grade designation mark and name of the commodity the following particulars shall be clearly and indelibly marked on each container.---

- (a) Name and address of the packer;
- (b) Date of packing in month and year;
- (c) Place of packing;
- (d) Net weight;
- (e) Lot/Batch No;
- (f) Date of expiry;
- (g) Price;

(3) An authorised packer may, after obtaining prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or any officer authorised by him in this behalf, in accordance with rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988 affix his private trade mark or trade brand on graded packages/containers provided that the same does not indicate quality or grade other than that indicated by the grade designation mark affixed to the graded packages containers in accordance with these rules.

7. Method of packing.—(1) The graded onion shall be packed only in sound, clean and dry containers of jute, wooden crates, netting, bamboo baskets, palm leaf baskets, hessian bags & cardboard carton. The dehydrated onion and powder shall be packed in clean, sound containers made of material which does not affect the onion and powder and protects it from the uptake of moisture.

The consumer packs of size 50 to 100 gms in case of onion rings, slices and powder or grit may be packed in pouches made from paper/0.02 mm aluminium foil/150 gauge polyethylene laminates. The pouch may be enclosed tightly in a 2-ply corrugated sheet cover/carton or any other materials or in such other manner as may be approved by the Agricultural Marketing Adviser or any other officer authorised by him in this behalf as per rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988 provided that the packing material is of food grain quality as permitted under Prevention of Food Adulteration Rules, 1955;

(2) In all cases, the container shall be free from insect infestation, fungus contamination, materials imparting colour, deleterious substances or any undesirable or abnoxious smell;

(3) Each package shall contain graded material of one grade designation only. Suitable number of small packets of dehydrated onion/powder containing graded material of the same lot/batch and grade designation may be packed in a master container such as jute bags, wooden cases, cardboard cartons etc. using tie-on label with details on master containers;

(4) Each package shall contain onion and dehydrated onion of one grade only;

8. Special conditions for grant of certificate of authorisation.—In addition to the conditions specified in sub-rule (8) of rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1988, the following shall be additional conditions for grant of certificate of authorisation for grading and Marking onion, Dehydrated onion and powder under these rules, namely :—

- (1) The authorised packer shall either set up his own laboratory manned by a qualified chemist, approved by the Agricultural Marketing Adviser authorised by him in this behalf in accordance with rule 9 of the General Grading and Marking Rules, 1988 for testing the quality of Dehydrated onion powder or have access to the State Grading Laboratory or Private Commercial Laboratory approved for the purpose;

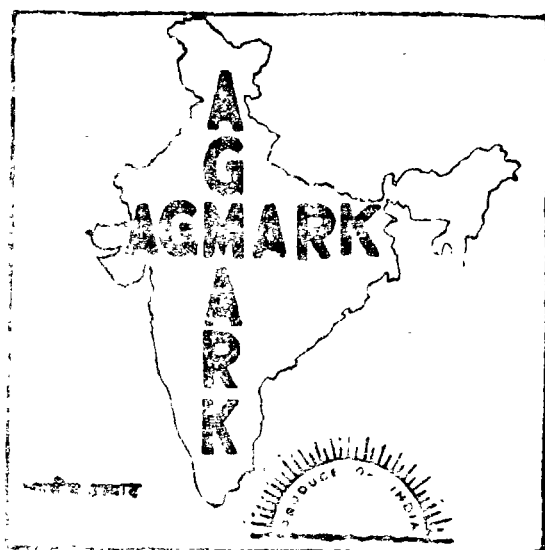
(2) The premises for processing, grading and packing shall be maintained in perfect hygienic and sanitary conditions;

(3) The personnel engaged in these operations shall be in sound health and free from any contagious disease.

SCHEDULE-I

[See Rule 5(i)]

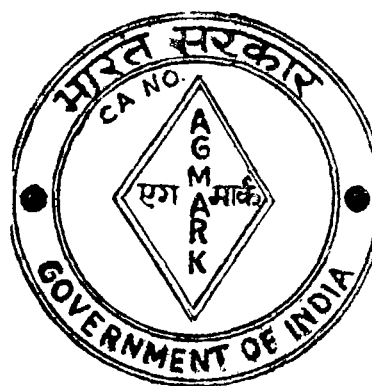
DESIGN OF THE AGMARK LABEL



SCHEDULE-I A

[See Rule 5(ii)]

DESIGN OF AGMARK REPLICA



NAME OF COMPANY.....

GRADE.....

SCHEDULE II

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of Nasik/Saurashtra/Bellary/Pune (Other than Kharif/Monsoon crop)

Definition of quality

Special characteristics

Grade designations	Colour	Size, Diameter in millimeter	Defective, diseased and damaged bulbs per cent by mass (Maximum)	General characteristics
1	2	3	4	5
Extra big	Light rosy	65 and above	10	The bulbs shall— (1) be reasonably uniform in shape, size, colour and pungency characteristics of the variety/type; (2) be matured, solid in feel, reasonably firm with tough, clinging skins, free from damaged due to frost, double and bottleneck (3) stems must be cut and must not exceed 4 c.m. in length except stringed onion; (4) be thoroughly cured and dried; (5) be free from dirt and other foreign materials;
Big	Light rosy	45 to below 65	10	
Medium	Light rosy	35 to below 45	10	
Small	Light rosy	25 to below 35	10	
Non specified*				

- (6) be free from defective, diseased, decayed and damaged bulbs caused by seed—stems, tops, roots moisture dry sun-scald, sun-burn, sprouting, mechanical or other injuries and staining to the extent as specified under column-4.
- (7) be free from moulds, soft root and insect attack;
- (8) comply with the restrictions in regard to aflatoxin content, poisonous metal, metallic contaminants, pesticide residue, preservatives, crop contaminants and naturally occurring toxic substances as specified under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

Notes : (1) Tolerance of size : For accidental errors in sizing, not more than 5% by weight of the bulbs in any lot may be just next lower grade than the minimum diameter prescribed.

- (2) Defective diseased and damaged bulbs : Include malformed, stained, discoloured, diseased, damaged, internally and externally caused by seed, stems, tops roots moisture, dry sunscald, sunburn, sprouting, mechanical or other injuries materially affecting the quality.

*Non-Specified— is not a regular grade. It is provided to me such specific requirements of the buyer which are not covered by any of the regular grades. It shall be allowed only for export grading against specific order from buyer indicating the quality and quantity required.

SCHEDULE III

(See rules 3 and 4)

Grade, designations and definition of quality of Kharif/Monsoon's crops Nasik, Pune and Dhullia onions
(Allium Cepa L.)

Definition of quality				
Grade designations	Special characteristics			General characteristics
	Colour	Size, diameter in millimeter	Defective, diseased and damaged bulbs per cent by weight (Maximum)	
1	2	3	4	5
Extra big	Pink, red to dark red	65 and above	10	The bulbs shall— (1) be reasonably uniform in shape, size, colour and pungency characteristics of the variety/type;
Big	Pink red to dark red	45 to below 65	10	
Medium	Pink red to dark red	35 to below 45	10	
Small	Pink red to dark red	25 to below 35	10	

- (2) be mature, solid in feel, reasonably firm with tough clinging skins;
- (3) be thoroughly cured and dried;
- (4) be free from dirt and other foreign material damaged due to frost, damaged caused by seed stems, tops, roots, moisture, dry sunscald, sunburn, sprouting, mechanical or other injuries and staining. Stems must not exceed 4 cm in length except strained onion and free from double bottlenecks.
- (5) be free from moulds, soft roots, insect attack and decayed bulbs, moulds, disease;
- (6) comply with the restrictions in regard to aflatoxin content, poisonous Metal, metallic contaminants, insecticide residue, preservatives, crop contaminants and naturally occurring toxic substances as specified under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955

- Notes :— (1) Kharif/Monsoon crop— taken in Nasik, Pune and Dhullia area is locally known as 'Dhul crop'.
- (2) Tolerance for size— For accidental errors in sizing, not more than 5% by weight of the bulb in any lot may be just next lower grade than the minimum diameter prescribed.
- (3) Defective, diseased and damaged bulbs Include malformed, stained, discoloured, diseased, damaged, internally caused by seed stems, tops, roots, moisture, dry sunscald, sunburn, sprouting mechanical or other injuries, materially affecting the quality.

SCHEDULE IV

(See rules 3 and 4)

Grade, designations and definitions of quality of Dindigul or "KAR" or PODISU" or 'RED' Onion (*Allium Cepa* L.)

Grade designations	Definition of quality		
	Special characteristics		General characteristics
	Colour	Size (diameter) in mm. (minimum)	
1	2	3	4
Special	Light purple to pink	15.00	The bulbs occur in bunches or clusters of two or more, joined together at the base the bulbs shall :— (1) be reasonably uniform in shape, colour and pungency characteristics of the variety/type (2) be mature, solid in feel reasonably firm with tough clinging skin, free from double or bottlenecks;
Good	-do-	10.00	

- (3) be thoroughly cured and dried;
- (4) be free from damaged caused by seed stems, top roots, dry suncald, sunburn, sprouting mechanical or other injuries and staining, dirt or other foreign materials
- (5) be free from moulds disease, soft rot, decay and insect attack;
- (6) comply with the restrictions in regard to aflatoxin content, poisonous metal, metallic contamination, pesticide residues, preservatives, crop contaminants and naturally occurring toxic substances as specified under prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

Notes :—1. Tolerance— For accidental errors in sizing, not more than 10% by weight of the bulbs may be smaller than the minimum diameter prescribed. In this case it is the smallest onion in the bunch that would be taken into measuring the diameter for the purpose of grading.

2. Tolerance for requirements in respect of General Characteristics— To allow for variation other than size incident to proper grading and handling more than 10% by weight of onion may fail to meet the requirements of the grade.

SCHEDULED V

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of Bangalore Onion (*Allium Cepa* L.)

Grade designations	Definition of quality		General characteristics
	Special characteristics		
	Colour	Size (diameter in mm) (minimum)	
1	2	3	4
Big	Light purple to purple	30	To bulbs shall :—
Medium	-do-	20	(1) be reasonably uniform in shape, colour and pungency characteristics
Small	-do-	15	of the variety/types;
*Mixed	Different size not below 15 mm		(2) be mature, solid in feel, reasonably firm with tough clinging skins, free from doubles and bottlenecks;
			(3) be thoroughly cured and dried;

- (4) be free from damage caused by seed stem, tops, roots, moisture, dry sunscald, sunburn, sprouting, mechanical or other injuries and staining, dirt or other foreign material;
- (5) be free from moulds, diseases, soft rot, decay and insect attack;
- (6) comply with the restrictions in regard to aflatoxin content, poisonous metals, metallic contamination, pesticides residues and use of preservatives, crop contaminants and naturally occurring toxic substances as specified under prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

Note:— (1) Tolerance size—For accidental errors in sizing, not more than 5% by weight of the bulbs in any lot may be next lower grade than the minimum diameter prescribed.

- (2) Tolerance for requirements in respect of General characteristics—To allow for variations other than size, incident to proper grading and handling, not more than 10 per cent by weight of the onions in any lot may fail to meet the requirements of the grade.

- (3) *Mixed— This grade may be packed against a 'Firm order' only.

SCHEDULE VI

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of Krishaapuram/Chitty Bellary onions (*Allium Cepa* L.)

Grade designations		Definition of quality	
		Special characteristics	
	Colour	Size (Diameter in mm) (minimum)	
1	2	3	
Big	Light rosy to dark rosy	35	
Medium	Light rosy to dark rosy	25	
Small	-do-	15	
Mixed	-do-	Different sizes not below 15 mm	
General characteristics			

The bulbs shall;

- (1) be reasonably uniform in shape, colour and pungency characteristics of variety/type;
- (2) be mature, solid in feel, reasonably firm with tough clinging skins, free from bottlenecks or doubles.
- (3) be thoroughly cured and dried;
- (4) be free from damage caused by seed stems, tops, roots, moisture, dry sunscald, sunscald, sunburn, sprouting, mechanical or other injuries and staining, dirt or other foreign material;
- (5) be free from moulds, diseases, soft rot, decay and insect attack;

- (6) comply with the restrictions in regard to aflatoxin content, poisonous metals, metallic contamination, pesticide residue and use of preservatives, crop contaminants and naturally occurring toxic substances as specified under prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

Note :—

- | | |
|--|---|
| (1) Tolerance size | For accidental error in sizing not more than 5% by weight of the bulbs in any lot may be next lower grade than the minimum diameter prescribed. |
| (2) Tolerance for requirements in respect of General characteristics | To allow for variations other than size, incident to proper grading and handling not more than 10% by weight of the onions in any lot may fail to meet the requirements of the grade. |
| (3) Mixed | This grade may be packed against a 'Firm order' only. |

SCHEDULE—VII

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of "Red Matluruonious intended for seed purposes only (Allium Cepa L.) produced in the States of Madras and Andhra Pradesh

Grade designations		Definition of quality
		Special characteristics
	Colour	Size (diameter in mm.)
1	2	3
Special	Light purple to pink	15
Good	-do-	22
General characteristics		
4		

The bulbs occur in bunches or cluster of two or more, joined together at the base, they shall :—

- (1) be reasonably uniform in shape, colour and pungency characteristics of the variety/type ;
- (2) be mature, solid in feel, reasonably firm with tough clinging skins, free from bottle necks;
- (3) be thoroughly cured and dried;
- (4) be free from damage caused by seed-stems, moisture, mechanical or other injuries and staining, dirt or other foreign materials;
- (5) be free from moulds, diseases, soft rots, decay and insect attack;
- (6) comply with the restrictions in regard to aflatoxin content, poisonous metals, metallic contamination, pesticide residues and use of preservatives, crop contaminants and naturally occurring toxic substances as specified under Prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

Note :—

- | | |
|---|---|
| 1. Tolerance of size | For accidental errors in sizing not more than 10% by weight of the bulbs may be smaller than the minimum diameter prescribed. In this case it is the smallest onion in the bunch that would be taken for measuring the diameter for the purpose of grading. |
| 2. Tolerance for requirements in respect of General characteristics | To allow for variations other than size, incident to proper grading and handling not more than 10% by weight of onion may fail to meet the requirements of grade. |

SCHEDULE VIII

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of dehydrated onion

Grade designations	Definition of quality			
	Special characteristics			
	Moisture per cent by mass (Maximum)	Total ash on dry basis per cent by mass (Maximum)	Acid insoluble Ash on dry basis, per cent by mass (Maximum)	Crude fibre, on dry basis, per cent by mass (Maximum)
1	2	3	4	5
Grade—I	8.0	5.0	0.5	4.0
Grade—II	8.0	6.0	0.5	5.0
Grade—III	8.0	7.0	0.5	6.0

General characteristics

6

- (1) Dehydrated onion shall—have a colour characteristics of variety from which it is processed either off white or reddish brown;
- (2) have a marked pungent flavour characteristics of the variety used;
- (3) be free from off flavours, foreign odour, rancidity and mustiness, added colouring matter ;
- (4) The product shall be free from dirt, mould growth, insect infestation. It shall be free from any preservatives, artificial colouring matter, bleaching substances, or flavouring agents;
- (5) Dehydrated onion after seeping in water for 4 hours shall constitute to form a product approximating to raw, freshly peeled and cut onion of good quality. When cooked by adding 250ml of one per cent sodium chloride solution to 30 gm of the product in a metal or enamelled pot and boiling, crisp product free from toughness or mastiness and having the typical flavour , colour and odour of cooked onion;
- (6) The product shall confirm to the limits for aflatoxins, metallic contaminants, pesticides residues and any other requirements as laid down under the mandatory provisions of the prevention of Food Adulteration Act, 1954 and Rules 1955 as amended from time to time;
- (7) On microscopig determination the microbial requirement i.e. Salmonella, Shigella and E. Coli shall be absent when 25 gms of the material is examined.

SCHEDULE IX

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of dehydrated onion powder

Grade designations	Definition of quality			
	Special characteristics			
	Moisture per cent by mass (Maximum)	Total ash on dry basis, per cent by mass (Maximum)	Acid insoluble Ash, on dry basis, per cent by mass (Maximum)	Crude fibre on dry basis, per cent by mass (Maximum)
1	2	3	4	5
Grade—I	5.0	5.0	0.5	4.0
Grade—II	5.0	6.0	0.5	5.0
Grade—III	5.0	7.0	0.5	6.0

General characteristics

6

Dehydrated onion powder

- (1) Not more than 2% shall be retained on 500 micron I.S., sieve;
- (2) The taste and smell of onion powder shall be fresh and normally associated with the product;
- (3) Shall be free flowering powder and free from off flavour, foreign odour, rancidity and extraneous matter, mould growth, insect infestation, preservatives, artificial colouring matter or bleaching substances or off flavouring agents.
- (4) The product shall conform to the limits of aflatoxins, metallic contaminations, pesticides residues, and any other requirements as laid down under the mandatory provisions of the prevention of Food Adulteration Act/Rules, 1954/1955 as amended from time to time.
- (5) On microscopic determination the microbial requirement i.e. Shalmonella, Shigella and E.Coli shall be absent when 25 gram of the material is examined.

[File No. 18011/8/97-M-II]

V.N. MISRA, Economic Adviser (Agricultural Marketing)

कृषि मंत्रालय

(पशुपालन एवं डेयरी विभाग)

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1998

सा. का. नि. 213. —राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यादृच्छिक नमूना कुक्कुट निष्पादन परीक्षण केन्द्र (समूह "ब" पद) भर्ती नियम, 1995 को उन बातों के सिवाय अधिक्रान्त करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया, कृषि मंत्रालय के पशु पालन और डेयरी विभाग के अधीन, यादृच्छिक नमूना कुक्कुट निष्पादन परीक्षण केन्द्र, हैस्टरघट्टा, बंगलौर में समूह "घ" पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम यादृच्छिक नमूना कुक्कुट निष्पादन परीक्षण केन्द्र, हैस्टरघट्टा समूह "घ" भर्ती नियम, 1998 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ (2) से स्तंभ (4) में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तंभ (5) से स्तंभ (14) में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता :—वह व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है ;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा विवाह करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम के अधीन अनुज्ञेय हैं या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
1. चौकीदार (वाचमैन)	*2 (1996) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपत्रित अननुसूचित	2550-55-2660-60-3200 रु.	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 40 वर्ष तक (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों की दशा में 45 वर्ष) शिथिल करके की जा सकती हैं। टिप्पण :—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के	नहीं

6

लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश
के लाहौल और स्पीति जिले
तथा चम्बा जिले के पांगी
उपखंड, अंडमान और
निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप
के अभ्यर्थियों के लिए
विहित की गई है।)

टिप्पण 2:—रोजगार कार्यालयों
के माध्यम से की जाने
वाली नियुक्ति की प्रत्येक
दशा में, आयु-सीमा अवधा-
रित करने के लिए निर्णायक
तारीख वह अंतिम तारीख
होगी जिस तक रोजगार
कार्यालयों से नाम भेजने के
लिए कहा गया है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित
शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के परीक्षा की अवधि यदि कोई हो।
लिए विहित आयु और शैक्षिक
अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में
लागू होगी या नहीं

8

9

10

आवश्यक

पहरा और निगरानी कार्य का चार वर्ष का अनुभव

लागू नहीं होता

एक वर्ष

भर्ती की पद्धति, भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/
स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली
रिक्तियों की प्रतिशतता।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे
श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया
जाएगा।

11

12

सीधी भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग
से परामर्श किया जाएगा।

13

14

समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति

1. अधीक्षक यादृच्छिक कुक्कुट नमूना निष्पादन परीक्षण
केन्द्र —अध्यक्ष
2. सहायक निदेशक/सांख्यिक केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन फार्म
—सदस्य

लागू नहीं होता

3. कार्यालय से बाहर का एक राजपत्रित अधिकारी—सदस्य

1	2	3	4	5	6	7
2. चपरासी	* 1 (1998) *वर्ग्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय मेवा, समूह "घ" अराजपत्रित अननुसचिवीय	2550- 55- 2660- 60- 3200 रु.	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के शिथिल करके 40 वर्ष तक। (अनुसूचित जाति और अनु- सूचित जनजाति की दशा में 45 वर्ष) की जा सकती है।	नहीं

टिप्पण :—आयु-सीमा अव-
धारित करने के लिए निर्णा-
यक तारीख भारत में अभ्य-
र्थियों से आवेदन प्राप्त
करने के लिए नियत की गई
अंतिम तारीख होगी (न कि
वह अंतिम तारीख जो असम,
मेघालय, अरुणाचल प्रदेश,
मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड,
त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू
कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड,
हिमाचल प्रदेश के लाहौल
और स्पीति जिले तथा चम्बा
जिले के पांगी उपखंड, अंड-
मान और निकोबार द्वीप
या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों
के लिए विहित की गई है।)

टिप्पण 2:—रोजगार कार्यालयों
के माध्यम से की जाने वाली
नियुक्ति की दशा में, आयु-
सीमा अवधारित करने के
लिए निर्णायक तारीख वह
अंतिम तारीख होगी जिस
तक रोजगार कार्यालयों से
नाम भेजने के लिए कहा
गया है।

8	9	10
आवश्यक आठवी कक्षा उत्तीर्ण	लागू नहीं होता	एक वर्ष
11	12	
सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	

समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति

लागू नहीं होता

1. अधीक्षक यादृच्छिक कुक्कुट नमूना निष्पादन परीक्षण
केन्द्र —अध्यक्ष
2. सहायक निदेशक/सांख्यिक, केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन फार्म
—सदस्य
3. कार्यालय से बाहर का एक राजपत्रित अधिकारी—सदस्य

1	2	3	4	5	6	7
3. सफाईवाला	1* (1998) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" अराजपत्रित अननुसूचित	2550-55 2660-60 3200 रु.	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों पर आदेशों के अनु- सार सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 40 वर्ष तक। (अनुसूचित जाति और जनजाति की दशा से 45 वर्ष) की जा सकती है।	नहीं

टिप्पण —आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपखंड, अडमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है।)

टिप्पण 2. रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाने वाली नियुक्ति की दशा से आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

11	12
सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता
13	14
समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति	लागू नहीं होता
1. अधीक्षक यादृच्छिक कुक्कुट नमूना निष्पादन परीक्षण केन्द्र—अध्यक्ष	
2. सहायक निदेशक/सांख्यिक केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन फार्म —सदस्य	
3. कार्यालय से बाहर का एक राजपत्रित अधिकारी —सदस्य	

[फा. स. 31/7/95—प्रशासन-3]

एच. के. जगोटा, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

New Delhi, the 28th September, 1998

G.S.R. 213.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Random Sample Poultry Performance Testing Centre (Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1995, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'D' posts in the Random Sample Poultry Performance Testing Centre, Hessarghatta, Bangalore under the Ministry of Agriculture, Department of Animal Husbandry and Dairying, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Random Sample Poultry Performance Testing Centre, Hessarghatta (Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1998.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scales of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualification, etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualification and other matters relating thereto shall be as specified in columns (5) to (14) of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person, —

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said posts;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicement and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruit
1	2	3	4	5	6
1. Chowkidar (Watchman)	2* (1998)	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 2550-55-2660-60-3200	Not applicable	Between 18 and 25 years (relaxable upto 40 years for Government servants 45 years in case of Scheduled Caste and Scheduled Tribes) in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.**
*Subject to variation dependent on workload					**Note 1. The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of the applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu & Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep;
					Note 2. In respect of posts, the appointments in which are made through Employment Exchange the crucial date for determining the age limit shall, be in each case, be last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.
Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. Pension; Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.		Period of probation if any
7	8		9		10
No	Essential: Four years of experience in watch and ward duties.		Not applicable		1 year

Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made
11	12
By direct recruitment	Not applicable
If a Department Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
13	14
Group 'D' Departmental Promotion Committee.	
1. Superintendent Random Sample Poultry Performance Testing Centre—CHAIRMAN	Not applicable
2. The Assistant Director/Statistician, Central Poultry Breeding Farm—MEMBER	
3. A Gazetted Officer from outside office—MEMBER	

1	2	3	4	5	6
2. Peon	1* (1998)	General Central Service Group 'D' Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 2550-55-2660-60-3200	Not applicable	Between 18 and 25 years (relaxable upto 40 years for Government servants (45 years in case of Scheduled Caste and Scheduled Tribes) in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government.**
*Subject to variation dependent on work load					
<p>**Note 1 : The crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of the applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu & Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep).</p> <p>Note 2 : In respect of posts, the appointments to which are made through Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall, in each case, be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.</p>					

7	8	9	10	11
No	Essential; 8th Standard Pass	Not applicable	1 year	By direct recruitment

12	13	14
Not applicable	Group 'D' Departmental Promotion Committee 1. Superintendent Random Sample Poultry Performance Testing Centre—CHAIRMAN 2. The Assistant Director/Statistician Central Poultry Breeding Farm—MEMBER 3. A Gazetted Officer from outside office—MEMBER	Not applicable

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

3. Safaiwala	1* (1998)	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 2550-55-2660- 60-3200	Not applicable
--------------	--------------	--	------------------------------	-------------------

*Subject to variation dependent on work load

Between 18 and 25 years
[relaxable upto 40 years for
Government servants (45 years
in case of Scheduled Caste and
Scheduled Tribes)] in accor-
dance with the instructions or
orders issued by the Central
Government.

Note 1 : The crucial date for
determining the age-limits shall
be the closing date for receipt
of the applications from can-
didates in India (and not the
closing date prescribed for those
in Assam, Meghalaya, Aruna-
chal Pradesh, Mizoram, Mani-
pur, Nagaland, Tripura,
Sikkim, Ladakh Division of
Jammu & Kashmir State,
Lahaul and Spiti District and
Pangi Sub-Division of Chamba
District of Himachal Pradesh,
Andaman & Nicobar Islands or
Lakshadweep).

Note 2 : In respect of posts,
the appointments to which
are made through Employment
Exchanges, the crucial date for
determining the age limit shall,
in each case, be the last date
upto which the Employment
Exchanges are asked to submit
the names.

7	8	9	10	11
No	Essential; Two years experience in the line	Not applicable	2 years	By direct recruitment
12	13	14		
Not applicable	Group 'D' Departmental Promotion Committee 1. Superintendent, Random Sample Poultry Performance Testing Centre—CHAIRMAN 2. The Assistant Director/Statistician, Central Poultry Breeding Farm—MEMBER 3. A Gazetted officer from outside office—MEMBER	Not applicable		

[F.No. 31/7/95-Admn. III]

H.K. JAGOTA, Under Secy.

नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1998

सा. का. नि. 214:—वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्न-लिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त अधिनियम की धारा 14 की अपेक्षानुसार, ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है, और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर, उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध कराए जाने के 45 (पैंतालीस) दिन की अवधि के पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, महानिदेशक, नागर विमान, नागर विमानन महानिदेशालय, सफदरजंग हवाई अड्डे के सामने, नई दिल्ली—110003 को भेजे जा सकते हैं।

उक्त प्रारूप नियमों की बाबत, ऐसे किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर जो किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (दूसरा संशोधन) नियम, 1998 है।

(2) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 के नियम 28क के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“28क. वृत्तिक विमान चालकों के लिए अधिकतम आयु सीमा—ऐसा कोई व्यक्ति जो, इन नियमों के अधीन जारी विमान चालक की अनुज्ञप्ति रखता है और जिसने साठ वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, किसी समयबद्ध वायु सेवा या गैर समयबद्ध वायु परिवहन प्रचालन में लगे किसी वायुयान में पारिश्रमिक या किराये के लिए प्रधान विमान चालक या सहविमान चालक के रूप में कार्य नहीं करेगा।”

[फा. स. ए. वी.—11012/3/97—ए]

बी०जे० मैनन, अवर सचिव

पाद टिप्पणी :—दिनांक 27 मार्च, 1937 को भारत के राजपत्र के भाग—1 में 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना सं. वी.—26 के तहत ये मूल नियम प्रकाशित किए गए थे।

बाद में इनको निम्न प्रकार संशोधित किया गया :—

- (1) दिनांक 15 सितम्बर, 1962 को भारत के राजपत्र के भाग—II, खण्ड 3, उप खण्ड (i) में दिनांक 8 सितम्बर, 1962 के सा. का. नि. 1238 के तहत प्रकाशित किए गए; तथा
- (2) दिनांक 23 जनवरी, 1965 को भारत के राजपत्र के भाग—II, खण्ड—3, उप खण्ड (i) में दिनांक 16 जनवरी, 1965 के सा. का. नि. 29 के तहत प्रकाशित किए गए।
- (3) दिनांक 7 फरवरी, 1991 को भारत के राजपत्र के भाग—II, खण्ड—3 उप खण्ड (i) में दिनांक 7 फरवरी, 1991 के सा. का. नि. 58 (अ) के तहत प्रकाशित किए गए।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th October, 1998

G.S.R. 214.—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by Section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after a period of 45 (forty-five) days from the date on which copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

2. Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Director General of Civil Aviation, Directorate General of Civil Aviation. Opp. Safdarjung Airport, New Delhi-110003.

3. Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of a period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (i) These rules may be called the Aircraft (Second Amendment) Rules, 1998.
- (ii) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937, for Rule 28A, the following rule shall be substituted, namely :—

“28A. Maximum age limit for professional pilots—No person holding a pilot's licence issued under these rules and having attained the age of sixty years shall act as Pilot-in-Command or Co-pilot of an aircraft engaged in scheduled air services or non-scheduled air transport operations for remuneration or hire.”

[File No. AV. 11012/3/97-A]

V. J. MENON, Under Secy.

FOOT NOTE :—Principal rules published vide notification No. V-26 dated 23rd March, 1937, in Part I, Gazette of India dated the 27th March, 1937.

Subsequently amended by :—

- (i) GSR 1238 dated 8th September, 1962, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) in the Gazette of India dated the 15th September, 1962; and
- (ii) GSR 29 dated 16th January, 1965, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) in the Gazette of India dated 23rd January, 1965.
- (iii) GSR 58(E) dated 7th February, 1991 published in Part II, Section 3, Sub-section (i) in the Gazette of India dated the 7th February, 1991.